संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 350
पृष्ठ 8
बुधवार
11 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अर्जुन की छाल का इन...

विचार- राहुल की अमेरिकी यात्रा के...

खेल- बांग्लादेश के नाहिद राणा ने भारत...

अब युवाओं को बिना सिफारिश के मिल रही नौकरी : योगी

- यूपी में पहले शुचितापूर्ण भर्ती संभव नहीं थी
- 688 में से 124 से अधिक बालिकाएं चयनित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा चयनित 647 वन रक्षकों,वन्यजीव रक्षकों एवं 41 अवर अभियंताओं के नियुक्ति–पत्र वितरण हेतु कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज नियुक्ति पाने वाले 688 में से 124 से अधिक बालिकाएं चयनित हुई हैं। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले शुचितापूर्ण भर्ती संभव नहीं थी। उस समय के सभी आयोग व बोर्ड पर प्रश्न खड़े हो रहे थे। उनके कार्य व चयन संदेह के घेरे में थे। आज भी तमाम में सीबीआई जांच चल रही है। उन लोगों ने ईमानदारी से कार्य नहीं किया। उस समय सरकारों की कार्यपद्धति के कारण युवाओं के भविष्य से न सिर्फ खिलवाड़ किया गया, बल्कि प्रदेश को पहचान के संकट के दौर से भी गुजारा गया। आज युवाओं को बिना सिफारिश के नौकरी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले युवा जब यूपी से बाहर जाता था और किसी ने पूछ लिया कि कहां से आए हो, यूपी का बताने पर होटल, धर्मशाला व किराए पर कमरे नहीं मिलते थे। पहचान का संकट पैदा करने वाले वही लोग हैं, जो पेपर लीक करने वाले गैंग के सरगनाओं को अपना शागिर्द बनाते थे। नियुक्ति की भर्ती प्रक्रिया निकलने के बाद जिनकी सूची चली जाती थी और वसूली प्रारंभ होती थी। गरीब व मेधावी छात्र को नियुक्ति नहीं मिल पाती थी, बल्कि नियुक्ति बैकडोर से होती थी। युवा आत्महत्या को मजबूर होता था। उन्होंने पूछा कि जिन लोगों ने कभी अच्छा किया ही नहीं, अच्छा होने पर उन्हें बुरा लगेगा ही। वह एक्सपोज हो रहे हैं, इसलिए दुष्प्रचार का सहारा लेते हैं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि जब उनकी सरकार थी तो क्या कर रहे थे। भर्ती प्रक्रिया क्यों पारदर्शी ढंग से नहीं हो पा रही थी। क्यों न्यायपालिका को बार–बार भर्ती प्रक्रियाओं को रोकना पड़ा था। योगी ने कहा कि 1.55 लाख पुलिस कार्मिको के पद खाली पड़े थे। हम लोग आए तो समयसीमा के अंदर इसे भर दिया। 1.64 लाख शिक्षकों की भर्ती बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा में संपन्न की। साढ़े छह लाख नौजवानों को हमारी सरकार में नौकरी मिली। 2017 के पहले भर्ती को लेकर सरकार की नीयत अच्छी नहीं थी। भ्रष्टाचार व घूसखोरी उनकी पहचान बन चुकी थी। आज प्रदेश को उससे मुक्त किया गया। ऐसे तत्वों पर लगाम कसी गई है। गिरोह का व्यक्ति परेशान होगा तो सरगना भी परेशान होगा। परेशान होने पर कुछ न कुछ बोलेगा ही। डकैत भी बिना प्रमाण खुद को दोषी नहीं मानता। फुटेज दिखाने पर ही कहता है कि गलती हो गई। यह भी गलती करते हैं, लेकिन स्वीकार नहीं करते। इन्हें फुटेज दिखाते हैं, फिर अहसास कराना पड़ता है कि तुमने गलती की है। इसलिए जनता बार–बार ठुकरा रही है।

कांग्रेस ने बदली है मोदी की मनोदशा : राहुल

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि वह जिस आक्रामकता के साथ पहले कांग्रेस को घेरते थे उनकी इस सोच पर कांग्रेस ने लगाम कसी है और इसी के कारण श्री मोदी अब संसद के भीतर तथा बाहर खुद ही फंस जाते हैं। श्री गांधी ने वॉशिंगटन डीसी में जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत में कांग्रेस अत्यंत क्षमतावान है और उसमें खुद को बदलने की ताकत है जो अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में उन्हें ज्यादा लगती है। उन्होंने कहा यदि आप कांग्रेस पार्टी को देखें और इसकी तुलना अन्य राजनीतिक दलों से करें तो इसमें खुद को नया रूप देने की क्षमता है। इसमें एक तत्व है जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समय से मौजूद है और एक राजनीतिक संगठन के रूप में इसमें कई गुण बहुत शक्तिशाली हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि 2024 के चुनाव के दौरान भी उन्हें प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने कहा ''चुनाव के दौरान एक समय ऐसा आया जब मैं पार्टी की कोषाध्यक्ष से बातचीत करते हुए कह रहा था 'देखो, आपके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। यदि आपके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं तो आप चुनाव कैसे लड़ेंगे। तब हमारे पास सच में कोई जवाब नहीं था। फिर भी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव लड़ा और मूलतः मोदी के विचार को नष्ट कर दिया। आप उसकी झलक श्री मोदी के चेहरे पर भी देख सकते हैं।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा ष्कांग्रेस ने इस चुनाव में मूलतः मोदी के विचार को नष्ट किया है। श्री मोदी अब संसद में भी मनोवैज्ञानिक रूप से फंस जाते हैं। संसद से बाहर खुद को भगवान कहने लगते हैं। श्री मोदी को इस स्थिति में कांग्रेस की वजह से ही खड़ा होना पड़ा है। उन्होंने कहा ष्प्रधानमंत्री को अब संसद में देखते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से फंसे होते हैं।

हम जल्द ही लिथियम–आयन बैटरी निर्यात करने की स्थिति में होंगे', केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारत जल्द ही लिथियम–आयन बैटरी निर्यात करने की स्थिति में होगा, रिचार्जेबल बैटरी जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए आवश्यक हैं। गडकरी ने कहा कि ईवी वृद्धि के आंकड़े काफी उत्साहजनक हैं। मंगलवार को सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के 64वें सम्मेलन में बोलते हुए, गडकरी ने अनुमान लगाया कि

2030 तक ईवी बाजार में 1 करोड़ की बिक्री होगी। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2030 तक ईवी फाइनेंस बाजार 5 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। नितिन गडकरी ने कहा कि वे पेट्रोल और डीजल के "खिलाफ" नहीं हैं, लेकिन उनका मानना घ्है कि लोगों को प्रदूषण से सुरक्षा की जरूरत है। गडकरी स्वच्छ ईंधन पर जोर देने और वाहन निर्माताओं से ईवी और हाइड्रोजन पर ध्यान देने का आग्रह करने के लिए जाने जाते हैं। SIAM कार्यक्रम में, गडकरी ने उद्योग से नई तकनीक अपनाने और पेट्रोल और डीजल के बारे में चिंता न करने का आग्रह किया। पिछले सप्ताह गडकरी ने कहा था कि बहुत जल्द देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए किसी और सब्सिडी की जरूरत नहीं होगी। पिछले सप्ताह ब्लूमबर्ग एनईएफ शिखर सम्मेलन में बोलते हुए गडकरी ने कहा था कि लिथियम–आयन बैटरी की कीमत जो पहले 150 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा हुआ करती थी, अब घटकर 107–108 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा रह गई है। उन्होंने कहा था कि पांच कंपनियों ने लिथियम–आयन बैटरी का निर्माण शुरू कर दिया है और अगले कुछ वर्षों में इसकी कीमत घटकर 90 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा रह जाएगी।

मणिपुर में शांति के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाएं प्रधानमंत्री मोदी

अशोम गहलोत ने की केंद्र सरकार से मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर सरकार ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर इम्फाल पूर्व और इम्फाल पश्चिम जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है और थौबल में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। छात्र आंदोलन के बीच पूरे मणिपुर में पांच दिन के लिए इंटरनेट सेवा निलंबित की गयी। गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार यह जानकारी दी है। इसके अलावा शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि मणिपुर में ड्रोन, 'हाईटेक' मिसाइल हमले के बाद अत्याधुनिक रॉकेट के अवेशष मिले। कांग्रेस मणिपुर को लेकर काफी ज्यादा सरकार की अलोचना कर रही हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर मणिपुर में हो रही हिंसा पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूर्वोत्तरी राज्य में शांति स्थापित करने के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाने की मंगलवार को अपील की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि मणिपुर में राज्यपाल आवास एवं मुख्यमंत्री के घर जैसे सुरक्षित स्थानों तक पर लगातार हमले हो रहे हैं लेकिन केन्द्र सरकार इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तरी राज्य में अत्याधुनिक हथियारों एवं ड्रोन का इस्तेमाल कर आम लोगों पर हमले किए जा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने असम में शांति स्थापित करने के लिए राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार तक की कुर्बानी देने में संकोच नहीं किया था जिसके कारण आज तक वहां शांति का दौर स्थापित है। कांग्रेस नेता ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से (लोकसभा में) नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित तमाम विपक्षी दल मणिपुर का दौरा करने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी को मणिपुर में शांति स्थापना के लिए अब आवश्यक कदम उठाने में देरी नहीं करनी चाहिए एवं मणिपुर का दौरा करना चाहिए।

हरियाणा विधानसभा चुनावरू भाजपा ने 21 उम्मीदवारों के नामों का किया एलान

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से

जारी दूसरी सूची में 21 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने राज्य के शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा और जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल का टिकट काट दिया है।पार्टी ने जुलाना में कांग्रेस की उम्मीदवार विनेश फौगाट के खिलाफ कैप्टन योगेश बैरागी को मौदान में उतरा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भाजपा ने पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची में 67 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। इस तरह से पार्टी ने अब तक राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है।

राष्ट्रपति ने दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की मांग वाला ज्ञापन केन्द्रीय गृह सचिव को भेजा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में बंद होने के कारण उत्पन्न संवैधानिक संकट के मद्देनजर आम आदमी पार्टी सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के ज्ञापन को केन्द्रीय गृह सचिव के पास भेज दिया है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता और दिल्ली भाजपा

के वरिष्ठ नेता विजेन्द्र गुप्ता ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली में लगातार हो रहे संवैधानिक उल्लंघनों और शासन की विफलताओं के चलते मेरे साथ सभी भाजपा विधायकों ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलकर दिल्ली सरकार की नाकामियों का ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति ने इसे उचित कार्यवाही के लिए केन्द्रीय गृह सचिव को भेज दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार खो चुकी आम आदमी पार्टी के खिलाफ उचित कार्रवाई होगी।" ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आबकारी नीति से जुड़े एक मामले में पिछले पांच महीने से जेल में बंद होने के कारण राजधानी में कामकाज नहीं हो पा रहा है और कई विषयों को लेकर संवैधानिक संकट पैदा हो गया है।

मोदी को 'बिच्छू' कहने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने थरूर के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना कथित तौर पर बिच्छू से करने के एक पुराने मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ चल रही मानहानि की कार्यवाही पर मंगलवार को पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति आर महादेन की पीठ ने श्री थरूर को अंतरिम राहत दी और इस मामले के शिकायतकर्ता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राजीव बब्बर को नोटिस जारी करके चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने श्री थरूर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के नौ अगस्त 2024 के फैसले के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका पर अपना यह आदेश पारित किया,

एस.लाल
एण्ड
सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

हाईकोर्ट ने पूछा : मृतक के खिलाफ पुलिस ने कैसे दर्ज किया डकैती का मुकदमा

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मॉब लिंचिंग (भीड़ हिंसा) में मारे गए फरीद उर्फ औरंगजेब के भाई मो.जकी की गिरफ्तार रोक लगा दी है। साथ ही सरकार से पूछा है कि घटना के 11 दिन बाद मृतक के खिलाफ पुलिस ने डकैती का मुकदमा का कैसे दर्ज किया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने फरीद के भाई मो.जकी याचिका पर अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर को सुनकर दिया।मामला अलीगढ़ के गांधी पार्क थाना क्षेत्र के मामू–भांजा कॉलोनी की चर्चित मॉब लिंचिंग की घटना का है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मॉब लिंचिंग (भीड़ हिंसा) में मारे गए फरीद उर्फ औरंगजेब के भाई मो.जकी की गिरफ्तार रोक लगा दी है। साथ ही सरकार से पूछा है कि घटना के 11 दिन बाद मृतक के खिलाफ पुलिस ने डकैती का मुकदमा का कैसे दर्ज किया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने फरीद के भाई मो.जकी याचिका पर अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर को सुनकर दिया। मामला अलीगढ़ के गांधी पार्क थाना क्षेत्र के मामू–भांजा कॉलोनी की चर्चित मॉब लिंचिंग की घटना का है। 18 जून की रात भीड़ हिंसा में मारे गए फरीद के परिवार ने पहले मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया था कि मोहम्मद फरीद 18 जून को काम से घर लौट रहा था। मामू–भांजा इलाके में चोरी के संदेह में कुछ लोगों ने घेरकर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन फरीद गंभीर रूप से घायल हो चुका था। उसे मलखान सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद घटना के वायरल वीडियो व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भाजपा नेता अकिंत वार्ष्णेय समेत कई अन्य को आरोपी बनाया गया। इस पर बाजार में जमकर बवाल हुआ था। घटना के 11 दिन बाद मॉब लिंचिंग के आरोपियों के परिवार की लक्ष्मी मित्तल ने पलटवार करते हुए मृतक मो.फरीद उर्फ औरंगजेब समेत नौ के खिलाफ महिलाओं से छेड़छाड़ और डकैती की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोप लगाया है कि 18 जून की रात को फरीद (35) ने उसके घर में घुसकर छेड़छाड़ करने की कोशिश की। साथ ही उसने घर से कीमती सामान भी लूट लिया। लक्ष्मी मित्तल ने इस शिकायत में मो. फरीद,उसके भाई मोहम्मद जकी और छह अन्य का भी नाम लिया है। कहा कि जब उसके परिवार के सदस्य उसे बचाने के लिए दौड़े तो उन्होंने आरोपियों को वहां से भगाया। इसी दौरान फरीद का संतुलन बिगड़ गया और वह सीढ़ियों से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर मो. फरीद, उसके भाई मो.जकी और अन्य आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़–डकैती की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके खिलाफ मो.जकी ने एफआईआर रद्द कराने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याची की अधिवक्ता तनीषा जहांगीर मुनीर ने दलील दी कि यह जवाबी कार्रवाई का मामला है। हत्यारोपियों को बचाने के लिए मृतक व उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। 11 दिन बाद मुकदमा दर्ज करते वक्त पुलिस ने यह भी ध्यान नहीं दिया कि फरीद उर्फ औरंगजेब की मॉब लिंचिंग में मौत हो चुकी है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए याची की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। साथ ही हैरानी के साथ सरकार से पूछा कि 11 दिन पहले मारे जा चुके फरीद के खिलाफ डकैती का मुकदमा कैसे दर्ज किया गया।

स्पा की आड़ सेक्स रैकेट चलाने वाले सरगना समीर का कई जिलों में नेटवर्क, वाराणसी में भी करता था धंधा

प्रयागराज। सिविल लाइंस में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट का संचालन करने वाले समीर खान का कई जिलों में नेटवर्क फैला है। वाराणसी में भी उसका नाम सेक्स रैकेट चलाने में आ चुका है। फिलहाल नौ दिनों बाद भी पुलिस उसका पता नहीं लगा सकी है। रोडवेज बस अड्डे के बगल स्थित मॉल में जिन चार स्पा सेंटरों में सेक्स रैकेट पकड़ा गया, उनमें से एक पैराडाइज स्पा सेंटर का संचालन समीर खान ही करता था। यह बात मौके से पकड़े गए स्पा सेंटर कर्मचारियों ने पुलिस को बताई थी। उनसे पूछताछ के आधार पर ही समीर के साथ ही दो अन्य स्पा सेंटर संचालकों गौरव निवासी वाराणसी व एक स्पा सेंटर के मैनेजर भानु को वांछित किया गया। सूत्रों के मुताबिक, समीर के बारे में पता चला है कि उसने कई शहरों में अपना नेटवर्क फैला रखा है। वाराणसी में भी सेक्स रैकेट संचालन में उसका नाम सामने आ चुका है। उसे फरार हुए नौ दिन बीत चुके हैं, लेकिन फिलहाल वह पकड़ा नहीं जा सका है। न ही गौरव व एक अन्य आरोपी भानु का पता चल सका है। समीर के बारे में पता चला है कि वह अतीक अहमद गैंग के लोगों के संपर्क में था। मरियाडीह, बेली व रूदापुर के कई युवकों से उसका संबंध था और वह उसके स्पा सेंटरों में आते–जाते थे। एसीपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि समीर समेत तीनों फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज में खंभे पर चढ़ काम करते हुआ हादसा, मुश्किल से बची जान

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार दोपहर एक बिजली कर्मी की जान जाते जाते बची। महाकुंभ के मद्देनजर पूरे शहर में बिजल के तार, केबिल बदले जा रहे हैं। करेली बैरियर के पास रोशनबाग जाने वाली सड़क पर दोपहर में बिजली कर्मी लंबी सीढ़ी लगाकर तार को बांध रहे थे। इसी दौरान एक कर्मचारी बिजली के खंभे से लटक अचानक गिरने लगा तो उसने अपना पैर तारों में फंसा लिया। ऊंचाई से वह लटक चीखने लगा तो अफरातफरी मची। नीचे भीड़ जमा हो गई। साथी बिजली कर्मी दौड़ते हुए पहुंच गए। दो अन्य कर्मचारी जल्दी से सीढ़ी पर चढ़े और कर्मचारी के रस्सी लपेट दिया। इसके बाद उसे सहारा देकर नीचे उतारा गया। इस दौरान नीचे खड़े लोग वीडियो बनाते रहे।

प्रयागराज में जनवरी में होने जा रहा महाकुंभ, ट्रेनिंग दी जा रही

प्रयागराज। संगम के तट पर जनवरी में आयोजित होने वाले महाकुंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं। देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं। उनकी मदद के लिए करीब एक हजार कुंभ मित्र भी बनाए जा रहे हैं। यह स्वयंसेवक के रूप में श्रद्धालुओं की मदद करने का काम करेंगे। इसके अलावा 6 हजार पुलिसकर्मियों को भी इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि कोई श्रद्धालु मेले में भटक गया, शिविर में जाने का रास्ता भूल गया या चलने में असमर्थ बुजुर्ग या दिव्यांग की भी यही स्वयंसेवक मदद करेंगे। महाकुंभ मेले में जो भी कुंभ मित्र या स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे उन्हें आपात स्थिति में निबटने के लिए भी ट्रेंड किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न होने पाए। महाकुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद बताते हैं कि महाकुंभ मेले को देखते हुए तमाम तैयारियां चल रही हैं। इसी क्रम में कुंभ मित्र भी तैनात किए जाएंगे, यह पूरे मेला क्षेत्र को कवर करेंगे। अलग अलग सेक्टरों में या प्रमुख स्थानों पर इन्हें लगाया जाएगा।

प्रयागराज में घोटाले की जांच को पहुंची टीम बैरंग लौटी: ग्राम पंचायत में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का मामला, प्रधान का हंगामा

मऊ आइमा। प्रयागराज के मऊआइमा में ग्राम पंचायत में बड़े पैमाने पर की गई वित्तीय अनियमितता की जांच करने पहुंचे जिला उद्यान अधिकारी की टीम को बैरंग लौटना पड़ा। असल में विकास खंड बहरिया के सरांय लीलाधर उर्फ बरचनपुर में टीम पहुंची थी। टीम वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर ही रही थी कि तभी प्रधान पक्ष और शिकायत करने वाले लोग आपस में भिड़ गए। तू–तू मैं–मैं धक्का–मुक्की होने के बाद मामला बिगड़ता देख जांच अधिकारियों वापस लौटना ही सही समझा। अब यह मामला आला अफसरों और पुलिस के पास पहुंचा है। विकास खंड बहरिया के सराय लीलाधार उर्फ बरचनपुर गांव निवासी दिलीप कुमार पुत्र स्वर्गीय शिव बहादुर, मानसिंह पुत्र स्वर्गीय रामफल और रणजीत कुमार पटेल पुत्र राम प्रकाश पटेल ने संयुक्त रूप से शिकायती पत्र जिलाधिकारी को सौंपा दिया था। शिकायतकर्ताओं ने 29 पॉइंट के जरिए ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव की मिलीभगत से लाखों रुपए के घोटाले के आरोप लगाए थे। जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांच के लिए जिला उद्यान अधिकारी के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की थी। जिला उद्यान अधिकारी और जेई ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सोरांव की टीम स्थलीय जांच करने सराय लीलाधर उर्फ बरचनपुर गांव पहुंची थी। जांच टीम सबसे पहले बारात घर की जांच करने लगी। इसी दौरान प्रधान पक्ष और शिकायतकर्ताओं के पक्ष के लोग आमने–सामने हो गए। हंगामा होने लगा। इसी के बाद टीम बैरंग वापस हो गई।

बार एसोसिएशन ने वापस लिया अध्यक्ष की बर्खास्तगी का निर्णय

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के बीच चल रहा विवाद फिलहाल थमा, कहा–निर्णय गलतफहमी में हुआ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महासचिव तथा अन्य पदाधिकारियों के बीच चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। महासचिव विक्रांत पांडे ने विज्ञप्ति जारी कर 4 सितंबर को हुई कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय को रद्द कर दिया। साथ ही घटना पर खेद जताते हुए कहा कि वह निर्णय गलतफहमी में हो गया था। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने महासचिव के इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इसके बाद पूरी कार्यकारिणी मिलजुलकर अधिवक्ता हित की योजनाओं को लागू कर सकेगी और बार एसोसिएशन में सौहार्दपूर्ण वातावरण में काम होगा। उल्लेखनीय है कि गत 4 सितंबर को बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे और महासचिव विक्रांत पांडे की अगुवाई में कार्यकारिणी की एक बैठक हुई। इसमें 22 सदस्य उपस्थित हुए। इन सभी ने अध्यक्ष अनिल तिवारी की कार्यशैली पर विरोध जताते हुए उनको एक माह के लिए पद से बर्खास्त करने का प्रस्ताव पारित किया तथा अध्यक्ष द्वारा दिए गए सभी निर्णय को रद्द करने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। दूसरी ओर अनिल तिवारी ने भी कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्यों पर बार के पैसे की लूट करने और मनमानी तरीके से काम करने का आरोप लगाया। अध्यक्ष ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे के सभी अधिकार छीनने और उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी को अधिकार देने का आदेश पारित कर दिया। इस घटना के बाद से बार एसोसिएशन के कई पदाधिकारी और सदस्य दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास कर रहे थे ।और अंततः सोमवार को सहमति बनने के बाद महासचिव विक्रांत पांडे ने खेद जताते हुए 4 सितंबर को लिए गए सभी निर्णय वापस ले लिए।

उच्च प्राथमिक में समायोजन को भेजी सूची

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के अन्तःजनपदीय स्थानान्तरण व समायोजन के लिए पोर्टल https://intradistricttransfer-upsdc-gov-in/ पर बेसिक शिक्षा अधिकारियों के लॉगिन पर सूची भेजी गई है। सचिव बेसिक शिक्षा परिषद सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सूची का भलीभांति परीक्षण करते हुए किसी भी प्रकार की त्रुटि/विसंगति होने की दशा में मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से डाटा संशोधित कराना सुनिश्चित करें।

फर्जी प्रमाणपत्र पर नियुक्तपाने वाला शिक्षक बर्खास्त

प्रयागराज। फर्जी जाति और निवास प्रमाणपत्र लगाकर परिषदीय स्कूल में सहायक अध्यापक की नौकरी पाने वाले प्रेम नारायण को बर्खास्त कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी की ओर से 28 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार प्रधानपुर गांव रसड़ा बलिया के अभय नारायण ने तीन अक्तूबर 2022 को शिकायत की थी कि प्राथमिक विद्यालय मनू का पूरा, विकास खंड उरूवा के सहायक अध्यापक, प्रेम नारायण यादव जाति के हैं लेकिन अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र बनवाकर नौकरी हासिल की है। बीएसए ने तीन जनवरी 2023 को इसकी जांच खंड शिक्षाधिकारी उरुवा को सौंपते हुए रिपोर्ट तलब की थी। जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त शिक्षक ने फर्जी जाति और निवास प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी हासिल की है। विशिष्ट बीटीसी 2008 बैच के तहत 12 जनवरी 2010 को नियुक्त शिक्षक को बर्खास्त करते हुए बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी को उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और वेतन के रूप में ली गई धनराशि वसूलने के निर्देश दिए हैं। मजे की बात है कि उक्त शिक्षक ने वर्ष 2012 में केंद्रीय विद्यालय पन्ना मध्य प्रदेश में भी शिक्षण करते हुए दो स्थान से वेतन प्राप्त किया है।

हृदय रोग निवारण के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 29 को

प्रयागराज। श्री सत्य साईं सेवा संगठन की ओर से 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर लखनऊ में निरूशुल्क हृदय रोग निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सचिन नेब के अनुसार हृदय संबंधी बीमारियों के इलाज के साथ ऑपरेशन भी किया जाएगा। ऑपरेशन की सुविधा आर्थिक रूप से कमजोर उन मरीजों के लिए है जिनकी मासिक आय 35 हजार या इससे कम है। शिविर में भाग लेने के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। उपचार के कागज साथ में लाने पर खाने रहने और जांच की सुविधा निरूशुल्क रहेगी। शिविर में रोगियों की जांच श्री सत्य साईं अस्पताल अहमदाबाद व राजकोट के विशेषज्ञ करेंगे। पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर 7985266049 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रयागराज में अलोपीबाग में नगर निगम ने तीन महीने पहले सड़क बनाई थी।

अब प्रयागराज विकास प्राधिकरण उसी सड़क का निर्माण करने की तैयारी कर रहा है।

प्रयागराज। अलोपीबाग में एक सड़क नगर निगम ने तीन महीने पहले बना दी। अब उसी सड़क को प्रयागराज विकास प्राधिकरण बनाने की तैयारी में है। जून में बनी सड़क का पीडीए ने निविदा भी निकाल दी। अखबारों में प्रकाशित निविदा को नगर निगम के इंजीनियरों ने संज्ञान में लिया है। नगर निगम ने बीते जून में जस्टिस विवेक सिंह के आवास के सामने की सड़क का निर्माण किया था। पीडीए ने रविवार को शहर में कराए जाने वाले तमाम कामों की निविदा निकाली। प्रकाशित निविदा में अलोपीबाग की निर्मित सड़क का जिक्र तीसरे नंबर पर थी। इसे नगर निगम के इंजीनियरों ने गत दिवस ही देख लिया। अब नगर निगमके मुख्य अभियंता सतीश कुमार अलोपीबाग की सड़क की निविदा निरस्त करने के लिए पीडीए को पत्र लिखेंगे। नगर निगम के मुख्य अभियंता ने बताया कि सड़क की निविदा निरस्त करने के लिए पीडीए को पत्र लिखेंगे। दो साल पहले नगर निगम ने इसी तरह की गलती की थी। अल्लापुर में बनाई गई सड़क का पुनरू निकाली गई निविदा निरस्त की गई।

तीन साल बाद खुलेगा हनुमत निकेतन का दानपात्र

प्रयागराज। समिति के विवाद को लेकर लगभग तीन साल से बंद सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन का दानपात्र जल्द ही खोला जाएगा। दानपात्र की रकम की गिनती कर इसे बैंक में जमा किया जाएगा। सोमवार को एसडीएम सदर की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसका निर्णय लिया गया। हालांकि दानदात्र की राशि का गिनती की तारीख अभी तय होगी। सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन की समिति के विवाद के कारण इसका कस्टोडियन जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सदर को बनाया गया था। सोमवार को एसडीएम सदर अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में मंदिर के सभी पक्षों की बैठक हुई थी। जिसमें आम सहमति बनी कि यहां दानपात्र को खोलकर इसकी रकम की गिनती कराई जाए और प्राप्त नकदी को बैंक में जमा किया जाए। अफसरों का कहना है कि मंदिर चढ़ावे में छोटी नोट के चढ़ावे के कारण गिनती में कई दिन का वक्त लग सकता है। ऐसे में जल्द ही बैठक कर यह तय किया जाएगा कि गिनती कब से और कितनी देर होगी। क्योंकि यह काम मंदिर के बंद होने के बाद ही संभव होगा। मंदिर के चढ़ावे के लिए नियम है कि प्रतिवर्ष दानपात्र में आने वाले कुल चढ़ावे का 85 फीसदी भाग खर्च करना होता है। केवल 15 फीसदी ही रोका जा सकता है। ऐसा न करने पर पूरी राशि पर कर देने का प्रावधान हैं। क्योंकि यहां दानपात्र तीन साल से बंद था तो पिछले सालों की राशि के बारे में विधिक राय भी ली जाएगी।

काशी के 75 गांवों से गुजरेगा 6 लेन का गंगा एक्सप्रेस-वे, बलिया तक होगा विस्तारय

मेरठ से प्रयागराज के बीच निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस–वे का दूसरे चरण में विस्तार वाराणसी और गाजीपुर होते हुए बलिया तक होगा। करीब 350 किमी लंबे एक्सप्रेस–वे का निर्माण 6 लेन में होगा। मेरठ से प्रयागराज के बीच निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस–वे का दूसरे चरण में विस्तार वाराणसी और गाजीपुर होते हुए बलिया तक होगा। करीब 350 किमी लंबे एक्सप्रेस–वे का निर्माण छह लेन में होगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने दूसरे चरण का सर्वे पूरा कर लिया है। बनारस के पिंडरा और सदर तहसीलों के 75 राजस्व गांवों का चिह्नांकन भी हो चुका है। गंगा के करीब 10 किमी परिक्षेत्र में मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लम्बे एक्सप्रेस–वे का काम चल रहा है। फरवरी–2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उसका लोकार्पण कराने की तैयारी है। अब दूसरे चरण के लिए भी सर्वे शुरू हो गया है। इससे प्रभावित होने वाले राजस्व गांवों के चिह्नांकन के बाद सरकार ने भूमि अधिग्रहण का नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। गंगा एक्सप्रेस–वे प्रयागराज से मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, गाजीपुर होते हुए भदोही तक जाएगा। वर्ष 2021 में इसे प्रयागराज से मिर्जापुर होते हुए वाराणसी रिंग रोड तक प्रस्तावित किया गया था। किन्हीं कारणों से एक्सप्रेस–वे अब गंगा के बाएं 10 किमी के रेंज से गुजरेगा। इससे गंगा पर कोई पुल नहीं बनाना होगा। बलिया तक यह एक्सप्रेस वे वरुणा, गोमती आदि नदियों के ऊपर से गुजरेगा। सबसे अधिक गाजीपुर के गांव आएंगे दायरे में गंगा एक्सप्रेस–वे के लिए जमीनें सबसे अधिक गाजीपुर के गांवों से ली जाएंगी। गाजीपुर की सैदपुर व मुहम्मदाबाद तहसील के 64–64, सदर के 55 और जखनिया तहसील का कटकापुर गांव शामिल है।

श्री गणेश आराधना

नमामि श्री गणेश को।
नमामि श्री गुणेश को ।।
नमो नमो महेश को।
नमामि मंगलेश को।।

अनादि हैं अनंत हैं।
गणेश एकदंत हैं ।।
सुपंथ पे चलाइए।
सुभक्ति में लगाइए।।

कृपा निधान ज्ञान दो
विवेक बुद्धि मान दो।।
सुकर्म ही सदा करूँ।
अनर्थ से सदा डरूँ ।।

नमामि शुभ्रवर्ण को।
नमामि लंबकर्ण को।
नमो नमो बलेश को ।
नमामि श्री गणेश को।।

न विघ्न हो न रोग हो।
सुभोग हो सुयोग हो।।
समस्त सिद्धियाँ मिलें।
समस्त रिद्धियाँ मिलें।।

अखंड प्रेम भाव हो।
कहीं नहीं दुराव हो।।
मदांधता विनाश हो।
प्रकाश ही प्रकाश हो।।

नमामि वक्रतुंड को।
कृपालु शुंड– मुंड को।।
नमामि पीतवेश को।
नमामि श्री गणेश को।।

न क्रोध हो न काम हो।
विकार का न नाम हो।।
समस्त कार्य पूर्ण हों।
समस्त गर्व चूर्ण हों।।

सुंगध मालिका लिए।
सुदीप्त थाल में दिए।।
धरे विनीत भावना।।
करूँ सदैव प्रार्थना ।।

प्रभो मुझे उबारिए ।
समस्त दोष टारिए ।।
नमामि मूषकेश को।
नमामि श्री गणेश को।।

डा0 नीलिमा मिश्रा
प्रयागराज

लोकविद् सांवरिया के निधन से क्षेत्र में गहरा शोक, परिजनों ने डीहा गंगा घाट पर किया दाह संस्कार

मौके पर जुटे समाजसेवी,कवि कलाकारों ने स्मृतियों को ताजा करते हुए,दी श्रद्धांजलि

करछना। लोकसंगीत, लोकनाट्य एवं अवधी कविता में आम आदमी के जीवन का यथार्थ उकेरने वाले लोकविद् कवि रामलोचन सांवरिया के निधन पर क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। अनवरत पांच दशकों तक अपनी लेखनी की धार से जमुनापार को राष्ट्रीय पटल पर पहचान देने वाले लोककवि ने अपने पैतृक गांव करछना के गधियांव में अंतिम सांस ली। लगभग 73वर्ष की अवस्था में वह बीते दो दिनों से बुखार से पीड़ित थे जिनका सोमवार देर रात निधन हो गया। मंगलवार दोपहर बाद परिजनों ने स्थानीय डीहा गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया। वे अपने पीछे दो बेटे और भरा पुरा परिवार छोड़ गए ।बड़े बेटे वेदानन्द वेद ने मुखाग्नि दी।इस दौरान मौजूद जागृति मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कहा कि अपने लोकसंगीत की वृहद रचना परिधि और अवधी भाषा के काव्य रचना विमर्शों के साथ सांवरिया जी ने पूरे देश में क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया।सांवरिया के जैसा होना, सबके बस की बात नहीं।उनका निधन जागृति मिशन, लोकसाहित्य,नाट्य जगत में जो सूनापन दे गया,जिसकी भरपाई सम्भव नहीं है। कवि,कलाकारों ने सांवरिया के अनूठे कृतित्व और सादगी पूर्ण व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके निधन से नौटंकी लोकसंगीत का एक बड़ा स्तम्भ और अंतिम कड़ी भी टूट गई। अंतिम संस्कार की बेला में सभी भावुक मन से उनके अतीत की स्मृतियों को याद करते सभी लोग गम में डूबे रहे। इस मौके पर मदनमोहन शंखधर, फतेहबहादुर सिंह रिषिराज,अनिल विश्वकर्मा, विजय सिंह,कवि डॉ.राजेंद्र शुक्ल,डॉ.भगवान प्रसाद उपाध्याय,डॉ.वीरेन्द्र सिंह कुसुमाकर, सबरेजअहमद,जीतेन्द्र जलज, ब्रह्मयज्ञ विश्वकर्मा,सन्तोष शुक्ल समर्थ,जी.पी.सिंह,रणजीत सोनकर,रामबाबू यादव,पंचमलाल,मोहिनी श्रीवास्तव, केशव विश्वकर्मा, राजेंद्र पथिक ,अशोक बेशरम, कमलेश,सुभाष विश्वकर्मा समेत कवि कलाकार, समाजसेवी,बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौजूद रहे।

इधर शहर समता विचार मंच द्वारा भी एक शोक सभा रामलोचनसांवरिया के निधन पर उमेश श्रीवास्तवकी अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें तलब जौनपुरी डॉक्टरवीरेंद्र तिवारी मुकुल मतवाला संजय सक्सेना रचना सक्सेना मिली एवं डॉक्टर मंजूप्रकाश ने भी अपनी–अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ यौन शोषण विषय पर व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज ससी एम पी डिग्री कॉलेज, के प्रेक्षागृह में आन्तरिक शिकायत समिति द्वारा श्कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन शोषणश विषय पर एक अभिविन्यास व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. अनीता गोपेश जी थीं। प्रो. गोपेश ने

कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ हो रहे शोषण पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें उन्होंने यौन शोषण को परिभाषित किया और बताया कि अक्सर हमें यह समझने में कठिनाई होती है कि हमारे साथ शोषण हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शोषण को पहचानने और उसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए जागरूकता और शिक्षा की आवश्यकता है।ष कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन शोषण विषय पर विधिक जानकारी डॉ. ऋतु रघुवंशी ने दिया। कार्यक्रम में आंतरिक शिकायत समिति की समन्वयक प्रो. सरोज सिंह ने मुख्य वक्ता का वाचिक स्वागत किया, जबकि डॉ. चारु त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। धन्यवाद ज्ञापन समिति की उपसमन्वयक डॉ. रुचिका वर्मा ने किया, और मंच संचालन डॉ सपना मौर्या ने किया। कार्यक्रम में प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. भूपेश त्रिपाठी, प्रो. आर बी एल श्रीवास्तव, डॉ सानू तिवारी, डॉ रेनू चौधरी, डॉ सुधी, डॉ चारु त्रिपाठी, डॉ सत्येंद्र कुमार, डॉ अकरम अली, डॉ धर्मेंद्र साहू, डॉ अविनाश एवं भारी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

जगत तारन डिग्री कॉलेज में कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज । जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की राजभाषा एवं मातृभाषा समिति के द्वारा स्वरचित कविता पाठ एवं कवियों की कविता का सस्वर पाठ प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 10 सितम्बर को किया गयास स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता में छात्राओं ने जीवन के विभिन्न संवेदनशील पक्षों को बखूबी प्रस्तुत कियास वहीं काव्यपाठ में कबीरदास,दिनकर, बच्चन से लेकर कुमार विश्वास , दुष्यंत कुमार, कविता तिवारी तक के बहुविध पद्यों को प्रस्तुत कियास निर्णायकगण डा. ऐश्वर्या सिंह और डा. अंजलि शिवहरे ने छात्राओं की प्रतिभा को खूब सराहा. संचालन डा. प्रमा द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. कस्तूरी भारद्वाज ने किया।

सीएमपी महाविद्यालय में आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज । सी.एम.पी. महाविद्यालय में स्थित सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबींग द्वारा दिनांक 10ध09ध2024 को आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा की वर्तमान समय में आत्महत्या समाज के लिए अभिशाप है, युवा वर्ग छोटी छोटी बातो से हतोत्साहित होकर जान गवा रहे है। कार्यक्रम में आमंत्रित डा.राकेश कुमार पासवान मनोविशेषज्ञ, काल्विन हॉस्पिटल ने आत्महत्या करने के लक्षणों एवम संकेत को पहचानने के उपायों पर चर्चा की। तदोपरांत डा. मीनाक्षी शुक्ला, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने आत्महत्या के विचारो की गंभीरता, आत्महत्या के लक्षण और समय पर उसके उपचार पर अपना सारगर्भित प्रतुतिकरण दिया। इसके पश्चात डा. ईशान्या राज, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, काल्विन हॉस्पिटल ने बताया कि जीवन को सेलिब्रेट करना सीखे। क्योंकि समुद्र की कोई भी लहर जब उंचाई पर आती है फिर धीरे धीरे नीचे हो जाती है। तो आप स्वयम को स्थिर रखना सीखे डा. ईशान्या ने छात्रों से कई रोचक गतिविधि भी करवाई और ऑन द स्पॉट पुरस्कार वितरित किया । कार्यक्रम के अंत में सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबींग के संयोजक डॉ महेश कुमार मौर्य ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम के संचालन डा. रंजना तिवारी सह संयोजक सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबींग, द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. दीप्ति समंत्रे, डा. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, डा. शर्मिला श्रीवास्तव, डा. प्रिया सोनी खरे, डा. रुचिका वर्मा आदि उपस्थित रहे।

रज्जू विवि की संस्कृत छात्रा अंजली गिरि को कुलाधिपति पदक...

प्रयागराज । प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के संस्कृत विभाग की छात्रा अंजली गिरि को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया है। संदीप दुबे को कांस्य पदक प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सप्तम दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल तथा कुलाधिपति

श्रीमती आनन्दी बेन पटेल ने अंजली गिरि को कुलाधिपति पदक के साथ स्वर्ण पदक से सम्मानित किया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय तथा शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, भौतिक विज्ञानी ए एस किरण कुमार तथा कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह के हाथों विश्वविद्यालय से सम्बद्ध लगभग डेढ़ सौ मेधावी विद्यार्थियों को मेडल दिया गया। संस्कृत विभाग की अंजली गिरि एवं संदीप दुबे ने पदक प्राप्ति का श्रेय ईश्वर, गुरुजनों, और अपने माता पिता को दिया है। विद्यार्थियों के सम्मानित होने पर संस्कृत विभाग के समस्त शिक्षकगण डॉ प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र व डॉ. प्रिया झा ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है। कुलपति जी की प्रेरणा के अनुरूप विभाग के विद्यार्थियों में ज्ञानात्मक ऊर्जा का संचार निरन्तर किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर नितिन त्रिपाठी, अनन्तजी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह, आदित्य गिरि, रिया, श्रीनाथ, शिवम्, अंजली, शिवानी, विराज, अनुराग आजाद, बिपिन मिश्र ,ऋषभ, हंसमुख कुमारी आदि ने बधाई दी है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये अन्य जोनल रेलवे की त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन कर रही है, जो उत्तर मध्य रेलवे के निम्नलिखित स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि "इस सुविधा का लाभ उठायें और त्योहार परिवार के साथ मनाएं"।

गाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशनों से चलने का दिन	संचालन तिथि	उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशनों पर ठहराव
05293	मुजफ्फरपुर	सिकंदराबाद	मंगलवार	15.10.24 से 31.12.24 तक	प्रयागराज छिवकी
05294	सिकंदराबाद	मुजफ्फरपुर	गुरुवार	17.10.24 से 02.01.25 तक	प्रयागराज छिवकी
03225	दानापुर	सिकंदराबाद	गुरुवार	17.10.24 से 26.12.24 तक	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
03226	सिकंदराबाद	दानापुर	रविवार	20.10.24 से 29.12.24 तक	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
03425	मालदा टाउन	पुणे	शुक्रवार	04.10.24 से 29.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
03426	पुणे	मालदा टाउन	रविवार	06.10.24 से 01.12.24 तक	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
04078	आनन्द विहार (ट.)	पटना जं.	सोमवार	07.10.24 से 18.11.24 तक	गोविन्दपुरी एवं प्रयागराज जं.
04077	पटना जं.	आनन्द विहार (ट.)	मंगलवार	08.10.24 से 19.11.24 तक	प्रयागराज जं. एवं गोविन्दपुरी
01667	रानी कमलापति	गया	सोम, शनि, गुरु एवं मंगल	16,21,26.09.24 एवं 01.10.24	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एवं मिर्जापुर
01668	गया	रानी कमलापति	गुरु, मंगल एवं शनि	19,24 एवं 29.09.24	मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01701	जबलपुर	गया	बुध, सोम एवं शनि	18, 23 एवं 28.09.24	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एवं मिर्जापुर
01702	गया	जबलपुर	मंगल, रवि, शुक्र एवं बुध	17,22,27.09.24 एवं 02.10.24	मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01661	रानी कमलापति	दानापुर	शनि एवं मंगल	26.10.24 से 12.11.24 तक	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एवं मिर्जापुर
01662	दानापुर	रानी कमलापति	रवि एवं बुध	27.10.24 से 13.11.24 तक	मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01705	जबलपुर	दानापुर	बुधवार एवं शुक्रवार	23.10.24 से 15.11.24 तक	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एवं मिर्जापुर
01706	दानापुर	जबलपुर	गुरुवार एंव शनिवार	24.10.24 से 16.11.24 तक	मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01053	लोकमान्य तिलक (ट.)	बनारस	बुधवार	30.10.24 से 06.11.24 तक	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
01054	बनारस	लोकमान्य तिलक (ट.)	गुरुवार	31.10.24 से 07.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01009	लोकमान्य तिलक (ट.)	दानापुर	रविवार एवं सोमवार	26,28.10.24, 02 एवं 04.11.24	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
01010	दानापुर	लोकमान्य तिलक (ट.)	रविवार एवं मंगलवार	27,29.10.24, 03 एवं 05.11.24	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01043	लोकमान्य तिलक (ट.)	समस्तीपुर	गुरुवार	31.10.24 एवं 07.11.24	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
01044	समस्तीपुर	लोकमान्य तिलक (ट.)	शुक्रवार	01.11.24 एवं 08.11.24	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01045	लोकमान्य तिलक (ट.)	प्रयागराज	मंगलवार	29.10.24 एवं 05.11.24	मानिकपुर, शंकरगढ़ एवं प्रयागराज
01046	प्रयागराज	लोकमान्य तिलक (ट.)	बुधवार	30.10.24 एवं 06.11.24	प्रयागराज, शंकरगढ़ एवं मानिकपुर
01481	पुणे	दानापुर	प्रतिदिन	22.10.24 से 11.11.24 तक	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
01482	दानापुर	पुणे	प्रतिदिन	24.10.24 से 13.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01143	लोकमान्य तिलक (ट.)	दानापुर	प्रतिदिन	23.10.24 से 12.11.24 तक	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
01144	दानापुर	लोकमान्य तिलक (ट.)	प्रतिदिन	22.10.24 से 11.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01145	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)	आसनसोल	सोमवार	21.10.24 एवं 11.11.24	प्रयागराज छिवकी
01146	आसनसोल	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)	बुधवार	23.10.24 एवं 13.11.24	प्रयागराज छिवकी
01065	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)	अगरतला	गुरुवार	31.10.24 एवं 07.11.24	प्रयागराज छिवकी
01066	अगरतला	छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)	रविवार	03.11.24 एवं 10.11.24	प्रयागराज छिवकी
01205	पुणे	दानापुर	प्रतिदिन	25.10.24 से 07.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी
01206	दानापुर	पुणे	प्रतिदिन	27.10.24 से 09.11.24 तक	प्रयागराज छिवकी

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPROMCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1594/24(A)

लोकपाल मनरेगा की जनसुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम प्रारंभ, सात शिकायतों को किया स्वीकार

5 गंभीर शिकायतों को परिवाद के रूप में दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ विकास भवन स्थित लोकपाल कार्यालय में हुआ । कुल प्राप्त सभी 7 शिकायतों में से पांच गंभीर शिकायतों को परिवाद के रूप में दर्ज कर लोकपाल ने सबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रमुख सामाजिक व्यक्तित्वों व जागरूक नागरिको ने प्रतिभाग कर लोकपाल को आवश्यक सुझाव दिया। प्रथम शिकायत के रूप में सांगीपुर ब्लाक के भैरवन ग्राम से पुजारी संजय गिरी ने शपथ पत्र पर शिकायत की ग्राम में मनरेगा योजना मे 2021 से 2024 अभी तक कोई कार्य सही से नही कराया गया है। जिसपर बी डी ओ सांगीपुर को नोटिस भेजकर जांच व कार्यवाही का निर्देश दिया। वहीं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी कालाकाकर ने उपस्थित होकर पूर्व अपेक्षित जांच रिपोर्ट के लिए बृहस्पति वार तक का समय मांगा जिसे लोकपाल ने अनुमति दी। बिहार ब्लाक के अनुपम मिश्र ने ग्राम मे मनरेगा धन के बंदर बाट व रास्तो के समस्या की शिकायत की। बाबा बेलखर नाथ धाम ब्लाक के संभाव फाउंडेशन के प्रभात पांडेय ने परैया नदी में चेक डैम की मांग की। मंधाता ब्लाक के पूरे लाल निवासी रवि प्रताप सिंह ने मजदूरो के बेरिफिकेशन की मांग की। मंधाता ब्लाक के भगवान पुर पूर्व फौजी सूर्य बहादुर सिंह ने ग्राम में मनरेगा योजना की धांधली की शिकायत की। अंत में बाबागंज ब्लाक के योगी सेना के जिलाध्यक्ष दुर्गेश तिवारी ने ग्राम में मनरेगा से जल भराव व रास्तो के संकट को दूर करने की मांग की। जिसपर लोकपाल समाज शेखर ने सभी शिकायतों पर आवश्यक निर्देश दिया। वहीं 5 समस्याओ को परिवाद के रूप में दर्ज कर नीयमानुसार सुनवाई कर हल करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रमुख सामाजिक व सनातनी नेता प्रकाश सिंह ने लोकपाल को सुझाव दिया की मनरेगा योजना का लाभ गरीबो व जरूरत मंदो को अवश्य मिले।

वहीं जांबाज हिंदुस्तानी सेवा समिति के आलोक आजाद, अधिवक्ता संघ पूर्व अध्यक्ष श्याम प्रताप सिंह , विवेक शुक्ल, प्रमोद ओझा, रोजगार सेवक कमलेश पटेल आदि ने आवश्यक सुझाव दिया जिस पर लोकपाल समाज शेखर गहन बिचार बिमर्श कर आवश्यक सुधार का निर्णय लिया। जिला एपीओ विनोद सिंह व मनरेगा सेल के स्टाफ ने सहयोग प्रदान किया।

साहित्य सम्मान व विमोचन सम्मान का आयोजन

वाराणसी सकाशी साहित्यिक संस्थान ट्रस्ट का तृतीय वार्षिक उत्सव आयोजन 18 सितंबर को पराड़कर भवन वाराणसी में आयोजित किया जा रहा है ,जिसमें देश के कोने–कोने से रचनाकार अपनी उपस्थिति देने के लिए आ रहे हैं । इस कार्यक्रम में ममता तिवारी जी की पुस्तक नील नलीनी का विमोचन भी किया जाएगा जिसका प्रकाशन जौहरी पब्लिशर के माध्यम से हुआ है यह पुस्तक एक खंड काव्य है जिसमें मानवछंद पर आधारित 1011 पदों का समावेश है। इस पुस्तक में प्रेम, समर्पण व त्याग को दर्शाया गया है जो पढ़ने में काफी पठनीय है तथा हमें नील नलीनी की एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। साथ ही मंजू गुप्ता कछावा जी की पुस्तक अपने घर की ओर तथा अपनी तलाश में जो गजल संग्रह है का भी विमोचन किया जाएगा। मंजू गुप्ता कछावा जी द्वारा लिखी गई गजलों में हिंदी भाषा का आधिकाधिक उपयोग किया गया है तथा उनकी रचनाएं मुख्यतः जगजीत सिंह वह चित्रा सिंह जी के गायन शैली से प्रभावित होकर की गई है तथा साथ ही अनिकेत रंजन जी की पिता नामक पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा इस समारोह में साहित्य सम्मान प्रदान किए जाने के साथ ही साथ गजल सिंगर मंजू जी का गजल गायन होगा जिसमें वह अपने साथी कलाकार राम जी के साथ अपनी प्रस्तुति देंगे तथा साथ ही बाल कवि मयंक सेठ वाराणसी को भी आमंत्रित किया गया है जो हास्य व्यंग्य रचना से भरपूर रचना से लोगों का मनोरंजन करेंगे ।

यह सारी जानकारी काशी साहित्यिक संस्थान की संस्थापिका सुनीता जौहरी जी के माध्यम से प्राप्त हुई है इस कार्यक्रम का आयोजन सुनीता जौहरी कर रही है उन्होंने कहा कि जो भी लोक कलाकार अपनी इच्छा अनुसार अपनी प्रस्तुति देना चाहते हैं वह भी आ सकते हैं उनका मंच लोक संस्कृति व हिंदी भाषा के लिए सदैव समर्पित रहा है और भविष्य में रहेगा भी ।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित मिशन शक्ति अभियान

प्रयागराज । महादेव प्रसाद महाविद्यालय के ओल्ड आडीटोरियम में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित "मिशनशक्ति" अभियान में की नोट स्पीकर के रूप में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन संस्थान के समन्वयक डॉ. अविनाश कुमार

श्रीवास्तव ने कहा कि सीखे हुए का प्रयोग राष्ट्र के लिए हम कैसे करें ? यह जानना जरूरी है। जीवन श्रेष्ठतम का संघर्ष है।उच्चतम वैचारिकी ही हमारा लक्ष्य होना चाहिये। मिशनशक्ति केवल हमारी मनोदशा में न हो हमारे व्यवहार में भी उतर कर आये। उन्होंने कहा कि नैतिकता स्वयं प्रयोज्य होनी चाहिए और शक्ति केवल भौतिक न हो इसका भी हमें इसका ध्यान रखना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाकौशल विश्वविद्यालय, जबलपुर मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. आर. सी. मिश्र ने कहा कि 2047 तक हमें विकसित भारत बनना है। हम पैंतालीस करोड़ युवा हैं। दुनिया में हमारी सबसे बड़ी संख्या है। ऐसे में हमें स्किल ओरिएंटेड होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसी स्किल और तकनीकी से ही हम न केवल विकसित बनेंगे बल्कि दुनिया में हमारी विजय पताका भी फहरायेगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि मिशनशक्ति जैसे अभियानों के लिए हमें आत्मअनुशासन के साथ आगे बढ़ना होगा। संस्कारित मन भी इसके लिए जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार जी ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेश कुमार यादव जी ने किया। इस अवसर पर डॉ. रितेश त्रिपाठी, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. अनुराधा सिंह, डॉ. नंदनी रायजादा, डॉ. यशवंत कुमार, डॉ. रामचिरंजीव सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.....

कारगिल पर स्वीकारोक्ति

जिस सच को भारत बार–बार दोहराता रहा है कि कारगिल युद्ध में पाक के सैनिकों की पूरी भूमिका रही है, उस सच को पाक सेना प्रमुख ने पच्चीस साल बाद स्वीकारा है। पाक की यह सफाई ऐसे वक्त में आई है जब भारत ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ कुछ समय पहले ही मनायी है। बीते शुक्रवार को पाक के रक्षा और शहीद दिवस के मौके पर सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। हालांकि, मुनीर ने गोलमोल तरीके से भारत व पाक के बीच हुए युद्धों समेत कारगिल में हजारों सैनिकों के मारे जाने की बाद कही। दरअसल, वर्ष 1999 के कारगिल संघर्ष को लेकर पाक के किसी शीर्ष सैन्य अधिकारी की पहली सार्वजनिक स्वीकारोक्ति है कि इस युद्ध में पाक सेना शामिल थी। अब तक पाक दलील देता रहा है कि कारगिल में कश्मीर के लिये लड़ने वाले लोग शामिल थे। हालांकि, इस साल की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कारगिल का नाम लिये बिना यह स्वीकारा था कि इस्लामाबाद ने 1999 में हुए उस समझौते का उल्लंघन किया था, जिस पर उनके व तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के हस्ताक्षर थे। यह स्वीकार्य तथ्य है कि कारगिल हमले का दुस्साहस जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा रची साजिश के तहत ही हुआ है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश युद्ध में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने का असफल प्रयास ही किया था। बहरहाल, पाक सेना प्रमुख की कारगिल युद्ध में सेना के शामिल होने की स्वीकारोक्ति के छिपे निहितार्थ भी हो सकते हैं। मगर प्रश्न टाइमिंग को लेकर है कि आखिर क्या वजह थी जो पाक ने यह तब स्वीकारा जब भारत कारगिल विजय के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर जश्न मना चुका है। लेकिन स्पष्ट है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र सेना के शिकंजे में पूरी तरह जकड़ा हुआ है। सत्ता पर काबिज शरीफ बंधुओं पर सेना का पूरा दबदबा है। वहीं मुखर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल की सलाखों के पीछे हैं। दरअसल, पाक दुनिया को यह दिखाने का प्रयास कर सकता है कि वह अपनी अतीत की भूलों को स्वीकार रहा है और अपनी ऐतिहासिक भूलों से सबक सीखने को उत्सुक है। तभी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसी कार्यक्रम में कहा था कि पाक अपने सभी पड़ोसियों से बेहतर संबंध बनाना चाहता है। संभव है कि पाक अगले महीने इस्लामाबाद में होने वाली एससीओ बैठक के लिये माहौल बनाने का प्रयास कर रहा हो। जिसमें वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की उम्मीद जता रहा है। लेकिन भारत पाक की बातों पर सहज विश्वास कर ले, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई बीतों दिनों में लगातार चौड़ी होती रही है। खासकर पिछले दिनों जम्मू क्षेत्र में पाक प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों पर लगातार किए गए हमलों में उसकी भूमिका को लेकर। निश्चित रूप से जनरल मुनीर से एलओसी के पार आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना की भूमिका को स्पष्ट करने के लिये कहा जाना चाहिए।

राहुल की अमेरिकी यात्रा के सम्भावित फलितार्थ

एजेंसी

राहुल जिस दिन अमेरिका पहुंचे वह उनकी भारत में निकाली गयी भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ थी। इस यात्रा से देश के साथ विदेश में भी भारत, खासकर राहुल व मोदी दोनों के प्रति वैचारिक बदलाव आया है।

राहुल गांधी बतौर नेता प्रतिपक्ष अमेरिका दौरे पर हैं। वहां के कुछ भारतीयों के संगठनों ने उन्हें बुलाया है। ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा इस आयोजन के केन्द्र में हैं। राहुल की पिछली विदेश यात्राओं की ही तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को इस यात्रा से भी दिक्कतें होंगी। खासकर इसलिये कि राहुल दो महत्वपूर्ण परिघटनाओं की पार्श्वभूमि में अमेरिका जा रहे हैं। दूसरे, स्वयं मोदी इसी देश की यात्रा करने वाले हैं। कहें तो राहुल व मोदी दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के पहले उस देश में जा रहे हैं। मोदी के लिये इस बार की अमेरिकी यात्रा कठिन होने जा रही है। वह इस लिहाज से कि रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लोकप्रियता के मामले में डोमोक्रेटिक पार्टी की तथा भारत से जिनके अनुवांशिकी नाते हैं– कमला हैरिस से बहुत नीचे हैं। उनका राष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है। पिछली बार ट्रम्प को चुनाव में सीधे समर्थन का ऐलान कर मोदी ने अपनी फजीहत तो कराई ही थी, डेमोक्रेट्स के मन में वह बात अभी भी चुभी हुई है। इतना ही नहीं, देश में भी मोदी कमजोर हुए हैं– इसका भी एहसास वहां के भारतीय समुदाय को है। राहुल की लोकप्रियता दुनिया भर में बढ़ी है। राहुल जिस दिन अमेरिका पहुंचे वह उनकी भारत में निकाली गयी भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ थी। इस यात्रा से देश के साथ विदेश में भी भारत, खासकर राहुल व मोदी दोनों के प्रति वैचारिक बदलाव आया है। अब राहुल अमेरिका में हैं, तो उसके बारे में पित्रोदा का कहना है कि श्जब से वे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बने हैं, उनसे मिलने, सुनने और बात करने की बड़ी इच्छा अमेरिका के लोगों ने दिखलाई है। खासकर वहां रहने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों ने इसे लेकर बड़ा आग्रह किया था।श निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, जब स्थानीय समय के अनुसार राहुल टेक्सास के डलास पहुंचे तो उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। गुलाब की पंखुड़ियां बिखेरी गयीं और उनकी आरती उतारी गयी। डलास के अलावा वाशिंगटन डीसी में भी उनके लोगों से संवाद के कार्यक्रम हैं। राहुल ने अपनी यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच सम्बन्धों को मजबूत करना बताया है। बात यहीं तक होती तो न मोदी को परेशानी थी और न ही भारतीय जनता को। राहुल की पिछली दो विदेश यात्राएं– अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन की, मोदी को परेशान कर चुकी थी। भारत में तानाशाही के बढ़ते खतरों के बारे में उन्होंने लोगों को आगाह किया था तथा पश्चिम जगत को अवगत भी कराया। इसे लेकर भाजपा के आईटी सेल ने काफी हाय–तौबा मचाई थी और यह कहकर राहुल की आलोचना की थी कि वे विदेश में भारत की छवि को खराब कर आये हैं। हालांकि लोगों पर इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा था। राहुल की पहली दोनों यात्राओं ने यह संदेश दिया था कि राहुल की जो छवि भाजपा तथा उसके संगठनों ने बनाई थी, लोगों ने इसके विपरीत उन्हें अत्यंत परिपक्व और समझदार नेता बताया था। खुद पित्रौदा ने कहा है कि 'राहुल अपने पिता से कहीं अधिक समझदार नेता है।' इसका कारण यह हो सकता है कि राजीव को कमान उनकी मां इंदिरा गांधी की बनाई जमीन पर मिली थी जबकि राहुल पिछले दस वर्ष से अधिक समय से मोदी का मुकाबला विषम परिस्थितियों में कर रहे हैं। उन पर लोगों ने अब यह आरोप लगाना भी छोड़ दिया है कि वे यह सब पीएम बनने के लिये कर रहे हैं। लोगों को अब भी याद है कि 2004 में वे मंत्री बन सकते थे और 2009 में तो उनके पास प्रधानमंत्री बनने का तक अवसर था। इसलिये अब आईटी सेल का यह अस्त्र भोंथरा हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने का उनका सफर कठिन रहा है। तमाम तरह के भीतरघातों एवं विरोधी दलों के विषैले प्रचार के बीच उन्होंने सकारात्मक राजनीति की मशाल जलाये रखी। उनका मखौल उड़ाया गया लेकिन नफरत के बाजार में मुहब्बत की दूकान ने लोगों को आकर्षित ही किया। राहुल को इस अमेरिका दौरे में कैपिटल हिल पर कई लोगों से निजी संवाद का मौका मिलेगा। इस दौरान वे राष्ट्रीय प्रेस क्लब के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय और टेक्सास यूनिवर्सिटी के छात्रों, प्रोफेसरों बुद्धिजीवियों आदि से वे बातचीत करेंगे। दूसरी तरफ मोदी की यात्राओं से क्या हासिल होगा यह तो अब तक अज्ञात है। यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि चुनाव के ठीक पहले वे अमेरिका कौन सा एजेंडा लेकर जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ की बैठक को वे 26 सितम्बर को सम्बोधित करेंगे। इसके पहले 22 सितम्बर को मोदी प्रवासी भारतीयों से लॉग आइलैंड के नासाउ कोलेजियम में मुलाकात करेंगे। देखना यह होगा कि मोदी को वहां कैसा प्रतिसाद मिलता है क्योंकि लोग जान गये हैं कि वे पहले जैसे मजबूत नहीं रह गये हैं। उनकी सरकार भी बैसाखियों पर है। जाहिर है कि इस बाबत राहुल तो लोगों को बतला सकेंगे परन्तु मोदी शायद ही कुछ कह सकेंगे। प्रेस से तो वे मिलते ही नहीं।

दिखने लगी अखिलेश की धमक

शकील अख्तर

ताजा मिसाल यूपी की है। वहां मंगेश यादव के कथित एनकाउंटर के बाद उपजे जनता के गुस्से को जैसे अखिलेश ने स्वर दिया उससे लोगों को मुलायम सिंह के उन तेवरों की याद आ गई जब उन्होंने यूपी में एक अखबार के खिलाफ हल्ला बोल आंदोलन शुरू कर के यूपी के उस सबसे बड़े अखबार को झुकने के लिए

मजबूर कर दिया था। 30 साल पहले। बात 1994 की है। अखबार को माफी मांगना पड़ी थी। आज अखिलेश के तेवरों में लोग वही मुलायम सिंह देख रहे हैं। जिनके बारे में कहा जाता था जिसका जलवा कायम है उसका नाम मुलायम है! अब इनका जलवा अखिलेश में ट्रासंफर हो गया लगता है। जिस कड़े और तार्किक अंदाज में अखिलेश ने इस एनकाउंटर के बारे में सवाल पूछे उससे लोगों को भरोसा हो गया कि अब यूपी में फर्जी एनकांउटर और बुलडोजर के खिलाफ एक मजबूत आवाज पैदा हो गई है। और फिर इसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवाज मिला देने से यूपी में उम्मीद की आस और तेज हो गई है। सवाल सिर्फ फर्जी एनकाउंटर और बुलडोजर चला देने का नहीं है। यूपी में और सब जगह जहां डबल इंजन की सरकारें हैं वहां सिर्फ दिल्ली से बजाए जा रहे हिन्दू–मुस्लिम राग को ही रिप्ले किया जा रहा है। जैसे मोदी सरकार जनता का कोई काम नहीं कर रही है हर समस्या का जवाब एक नए जुमले से देती है। वैसे ही भाजपा शासित राज्य कर रहे हैं। पहले दस साल हिन्दू–मुसलमान का राग बजाया गया। मगर लोकसभा चुनाव में नहीं चला तो अब विभाजन को नए स्तर पर ले आए हैं। यूपी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। 66 सीटें घटकर 33 रह गईं। तो अब यूपी में मुसलमानों के बाद यादवों को टारगेट किया जाने लगा। अगर व्यापक अर्थों में देखा जाए तो अखिलेश के सफल सामाजिक समूह पीडीए को। पी से पिछड़ा। जिस का नाम पहले मुख्यमंत्री ने विधानसभा में लिया। एक यादव एक मुसलमान का। लखनऊ में बरसात के पानी को भीड़ द्वारा लोगों पर उछालने के मामले में पुलिस ने कई लोगों को आरोपी बनाया। एक दर्जन से ज्यादा। मगर मुख्यमंत्री योगी ने सिर्फ दो नाम लिए। और उन पर व्यंग्य करते हुए इसे सद्भावना (मुस्लिम यादव की) बताते हुए कहा कि इन पर सद्भावना एक्सप्रेस चलाई जाएगी। मगर मामले में ट्विस्ट तब आया कि जमानत होने के बाद पवन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलकर कहा कि वह तो घटना स्थल पर था ही नहीं। यादव होने के नाते मुझे फंसाया गया। ऐसा ही उसने मुसलमान लड़के के बारे में बताया कि वह भी वहां नहीं था। अखिलेश ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा था कि हम इस मामले को भूलेंगे नहीं। और पवन यादव के बहाने सब यादवों पिछड़ों से कहा था कि तुम भी मत भूलना। तो यह पिछड़े का मामला मंगेश यादव के कथित एनकाउंटर के बाद और गहरा गया। अखिलेश का सीधा आरोप है कि इस मामले में शामिल मुख्य आरोपी को पुलिस ने सरेंडर करवा लिया। बाकी जिन को पकड़ा उनके पांव को छूती हुई गोली मारकर एनकाउंटर बताया। और रात को घर से मंगेश यादव को ले जाकर उसके सिर से सटाकर गोली मारी गई। परिवार वालों ने कहा बहुत मारा है। चेहरा पूरा खराब हो गया। वीभत्स। देखा नहीं जा सकता। अखिलेश ने फोन पर परिवार से बात की। यह मामला सुल्तानपुर में पड़ी एक डकैती का है। अखिलेश बहुत तीखे सवाल पूछ रहे हैं। उनके पास सूचनाएं आ रही हैं। जब विपक्ष का नेता मजबूत होने लगता है तो अफसरशाही उससे जुड़ने लगती है। अखिलेश ने पूछा कि डकैती का माल कहां है? अगर सारे अपराधी पकड़े गए एक यादव को मार दिया तो करोड़ों रुपए के स्वर्ण आभूषण कहां हैं? वह बरामद क्यों नहीं हुए? पीड़ित ज्वेलर भरतजी सोनी का कहना है कि अभी तक केवल दस प्रतिशत गहनों की ही रिकवरी हुई है। वह भी केवल चांदी के। सोने के जेवर नहीं मिले। पुलिस अब बता रही है कि मंगेश यादव पर इतने केस थे। मगर जौनपुर के उसके गांव में उसका मकान एक झोंपड़ी है। उसकी तस्वीर तक घर के बाहर रखी गई है। गरीब परिवार। यह पी ज्यादा लंबा हो गया। है भी पिछड़ों की तादाद सबसे ज्यादा। राहुल इन्हीं की गिनती करवाना चाहते हैं। ताकि सरकारी योजनाओं में इन्हें लाभ मिल सके। जितनी आबादी उतना हक। राहुल की जाति गणना देश का पूरा सामाजिक चरित्र बदल देगी। पिछड़ों को फिर इस तरह जुल्म का शिकार नहीं बनाया जा सकेगा। आज समाज में पिछड़ों के लिए एक से एक गंदी गालियां हैं। मुहावरों, कहावतों के तौर पर। ... बिना गुनाहम पांच पनाहम! पनहा यानि जूते। इस कहावत के पहली लाइन में कई पिछड़ी जातियों के नाम लिए जाते हैं। आम कहा जाता है कि बिना अपराध के मारो! अखिलेश के पीडीए में दूसरा अक्षर है डी। डी यानि दलित। जिसे सबसे ज्यादा गालियां दी जाती हैं। यूपी में इनके नाम पर मायावती ने लंबी राजनीति की। चार बार मुख्यमंत्री बनीं। मगर दलितों को सबसे बड़ा धोखा भी इन्होंने ही दिया। खुद को ईडी सीबीआई इनकम टैक्स से बचाने के लिए मोदी के साथ चली गईं। केन्द्र में और यूपी में दोनों जगह भाजपा की सरकार है। मगर वे हर जगह सपा और कांग्रेस का दोष बताती हैं। हाथरस में दलित लड़की के साथ भयानक बलात्कार हुआ। रातों–रात पुलिस ने उसका शव जला दिया। और आरोपियों के समर्थक लड़की के घर बाहर घेराव करके बैठ गए। राहुल गांधी को एक बार जाने नहीं दिया। रास्ते से वापस आना पड़ा। मगर वे तो राहुल हैं। जो ठान लेते हैं तो कर के ही मानते हैं। दूसरी बार फिर निकले। पुलिस ने धक्का देकर गिरा दिया। उठे और फिर चल दिए। पहुंचे। लेकिन मायावती एक बार भी नहीं गईं। दलित अत्याचार की और भी कई भयानक घटनाएं हुईं। राहुल प्रियंका हर जगह पहुंचे। मगर दलित जिन्हें सम्मान से बहिन जी कहते हैं किसी के आंसू पोंछने नहीं गईं। और इस समय हो रही घटनाओं के लिए वे सपा और कांग्रेस को दोषी ठहराती रहीं। अपने घर बैठ कर। जिसे अब दलित भी गुस्से में महल कहने लगे हैं। और इसी गुस्से में इस बार वे मायावती के साथ न जाकर अखिलेश और राहुल के इंडिया गठबंधन के साथ चले गए। यूपी में यही मायावती और भाजपा को बड़ी चोट लगी। और अखिलेश के पी, पिछड़े के साथ डी दलित भी कामयाब हो गया। पीडीए में तीसरा है अल्पसंख्यक। भाजपा की राजनीति का मुख्य आधार। पिछले दस साल से मुसलमान के खिलाफ नफरत फैलाकर ही मोदी हिन्दुओं का धरुवीकरण करते रहे हैं। सारी लिंचिंग और बुलडोजर की कार्रवाइयां उसके ही खिलाफ हुई हैं। यूपी में ही नफरत और फैलाने एवं विभाजन को और तीखा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी इतने आगे तक चले गए कि श्मशान और कब्रिस्तान की तुलना करने लगे। और इस लोकसभा चुनाव में यहां तक कह गए कि हिन्दुओं से छीन लेंगे और मुसलमानों को देंगे। मगर दस साल में मुसलमान किसी भड़कावे में नहीं आए। मामलों को बच्चों के स्तर तक ले गए। अभी यूपी में ही एक सात साल के मुस्लिम बच्चे को प्रिंसीपल आतंकवादी कह कर स्कूल से निकाल देता है। और उससे पहले एक महिला शिक्षिका एक मुसलमान बच्चे के गाल में दूसरे बच्चे से थप्पड़ पड़वाती है। कितनी घटनाएं हैं। मगर मुसलमान लोकतांत्रिक व्यवस्था संविधान पर विश्वास रखते हुए खामोश रहा। और उसका असर इन लोकसभा चुनावों में दिख गया। हिन्दू–मुसलमान विभाजन की थ्योरी फेल हो गई। और देश में 240 पर और यूपी में 80 में 33 पर बीजेपी रूक गई।

सिनेमा का असहनीय सच

प्रेरणा

आसमान में सितारे जगमगा रहे हैं और चांद अपनी सोलह कलाएं बिखेर रहा है, पर नजदीक जाते ही पता चलता है कि न सितारों के पास अपनी रौशनी है, न ही चांद ऐसा खूबसूरत है!श यह किसी साहित्यकार की पंक्ति होती तो हम ऐसी अभिव्यक्ति पर मुग्ध होतेय लेकिन यह पंक्ति लिखी है, जस्टिस के. हेमा ने। जस्टिस हेमा के नेतृत्व में केरल सरकार ने मलियाली फिल्म–जगत में फैली गंदगी की जांच के लिए एक आयोग गठित किया था। कहानी फरवरी 2017 से शुरू होती है। खबर आई थी कि केरल की एक जानी–मानी हीरोईन की कार कुछ गुंडों ने अगवा की, उनके साथ छेड़छाड़ की और उसका वीडिओ भी बनाया। खबर फैली तो हंगामा मचा। इससे आहत मलियाली फिल्म जगत की चंद महिला कलाकारों ने, मई 2017 में श्विमेन इन सिनेमा कलेक्टिवश (डब्ल्यूसीसी) नामक एक संगठन बनाया जिसने केरल सरकार पर दबाव बनाया कि वह मलयाली सिनेमा उद्योग में हो रहे महिलाओं के शोषण की जांच करके उपयुक्त कार्रवाई करे। नतीजे में राज्य सरकार ने केरल हाईकोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस के. हेमा के नेतृत्व में तीन सदस्यों की समिति बनाई। इस समिति में जस्टिस हेमा के अलावा मलयालम फिल्मों की ख्यात अभिनेत्री शारदा और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी केबी वलसाला कुमारी शामिल थीं। समिति ने सारे मामले की जांच की और 2019 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। तब से सरकारी अनिर्णय में दबी यह रिपोर्ट तब जाकर सार्वजनिक हुई जब श्सूचना के अधिकार कानूनश (आरटीआई) के तहत राज्य के सूचना आयुक्त ने सरकार को रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया। सरकार के कहने पर सूचना आयुक्त ने समाज के हित में अब भी इसके कई हिस्सों, खासकर नामों को सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश दिए हैं। 19 अगस्त 2024 को उजागर हुई इस रिपोर्ट ने केरल में जलजला ला दिया है। रोज ही नई–नई महिलाएं, अपने साथ हुए यौनिक अन्याय की बात लेकर सामने आ रही हैं और मलियाली फिल्म जगत की बड़ी–बड़ी हस्तियाँ मुंह छिपाती, त्यागपत्र देती नजर आ रही हैं।अपने दो साल के कार्यकाल में श्हेमा समितिश ने केरल के फिल्म–उद्योग की गहराई से छानबीन की। शुरू में कलाकार समिति के सामने आकर बातें नहीं बता रहे थे इसलिए पूरी जांच को गोपनीय रखा गया। समिति ने अपने ध्येय के बारे में लिखा रू यह समिति मलियाली सिनेमा उद्योग में लैंगिक शोषण और सुरक्षा के उपायों की जांच के लिए बनी है, न कि अपराधियों के नाम उजागर करने के लिए। रिपोर्ट ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में सब एक जैसे नहीं हैं। कुछ अच्छे लोग भी हैं, भले गिनती के हों। मशहूर कलाकारों– टेक्नीशियनों तथा अन्य लोगों की बड़ी संख्या है जो खुले आम महिलाओं का शोषण करते हैं, उस पर गर्व भी करते हैं और उसे मर्दानगी समझते हैं। कुछ पुरुषों ने यह कहकर बात को हल्का करने की कोशिश की कि ऐसी घटनाएं केवल फिल्म जगत में नहीं होतीं, बल्कि समाज के लगभग सभी व्यवसायों में होती हैं। महिलाओं ने बताया कि यहां सिनेमा जगत में उनके सामने पहली शर्त यही रखी जाती कि क्या वे हर तरह का समझौता करने को तैयार हैं। ऐसी शर्त किसी दूसरे व्यवसाय में नहीं रखी जाती है। फिल्मी दुनिया में यह धारणा भी बनी हुई है कि पैसे और ग्लैमर के लिए जो लड़कियां इस क्षेत्र में आती हैं, वे किसी भी तरह का समझौता कर सकती हैं। इस सोच के कारण यौन संबंधों की मांग, उसकी अपेक्षा रखने में किसी को कोई हिचक या संकोच नहीं होता है। आउटडोर शूटिंग संकट का दूसरा रूप लेकर आता है। लड़कियों के होटल के दरवाजे शराब में धुत्त लोग जोर–जोर से ठोकते हैं – इस तरह कि दरवाजा तोड़कर वे भीतर ही आ जाएंगे। श्हमें अगली सुबह उन्हीं पुरुषों के साथ ऐसे काम करना पड़ता है, जैसे रात में कुछ हुआ ही न हो ! कई बार तो उसी हीरो के साथ हमें अंतरंग सीन भी करने पड़ते हैं जिसने रात में हमारे साथ वहशीपना किया थाय और ऐसे में यदि हमारा सही भाव न आए तो उसी दृश्य का बार–बार रिटेक होता है और निर्देशक की डांट अलग पडती है ! आम लोग बड़ी आसानी से पूछ लेते हैं कि आप पुलिस के पास क्यों नहीं गईं? यही लोग तब एकदम अलग रवैया अपनाते हैं जब उनके घर की महिला पर अत्याचार हुआ हो। समिति ने लिखा है कि श्विशाखा गाइड लाइनश का वर्तमान स्वरूप फिल्मी दुनिया के लिए अपर्याप्त है। सरकार को इसकी कोई नई, स्वतंत्र व्यवस्था खड़ी करनी होगी। हेमा कमिटी न केवल मलयाली फिल्म जगत के पुरुषों के लिए, बल्कि सारे व्यवसायों के पुरुषों के लिए फिर से एक मौका बनाती है कि वे अपनी बीमार मानसिकता से बाहर निकलें। पुरुषों को अपनी आंतरिक गंदगी साफ करनी चाहिए। महिलाओं का यौन शोषण एक बीमार मानसिकता है, उसका हर किसी को विरोध करना चाहिए। ऐसा नहीं करने का ही परिणाम है कि यह खतरा हमारे दरवाजे पर आ खड़ा हुआ है। कोलकाता में महिला डॉक्टर का रेप और हत्या तथा स्कूलों में हमारे बच्चों के यौन शोषण को हम भूलेंगे तो भूल करेंगे।महिलाएं जागरूक हो रही हैं, वे अब बलात्कार के लिए खुद को दोषी नहीं मानतीं। वे समाज से सवाल पूछ रही हैं। भ्रूण–हत्या, दहेज–हत्या, रेप, विधवा और तलाकशुदा लड़कियों के बारे में पुरुषों की सोच, लड़कियों की पवित्रता पर जोर, सेक्स को लेकर संकुचित, गंदी मानसिकता का नुकसान महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को और सारे समाज को भी उठाना पड़ रहा है। राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में दूसरे राज्यों से लड़कियां ब्याह के लिए खरीदकर लाई जाती हैं। ऐसे में घर के कई पुरुष उस एक महिला के साथ यौन संबंध बनाते हैं। इन राज्यों में शादी तथा किसी भी उत्सव में, आर्केस्ट्रा के नाम पर 12–13 या उससे भी कम उम्र की बच्चियों से अश्लील नाच नचवाया जाता है। यह सब सारे समाज में विष घोल रहा है। समाज को ऐसी प्रथाएं बंद करनी होंगी, पुरुषों को ऐसे चलन का विरोध करना होगा, मां–बहन की गालियां देना शर्म का विषय बनाना होगा। बीमार प्रथाएं, रिश्तों की गलत मान्यताएं, शराब व दूसरे नशों का चलन सब हमारे नैतिक पतन को तेज कर रहा है। इंटरनेट हमारे बच्चों को बीमार बना रहा है। बीमार समाज बीमार बच्चों की फसल ही तो उगा सकता है। हमें जस्टिस के. हेमा समिति का आभारी होना चाहिए कि उसने हमें आईना दिखा दिया है। उसने जो प्रमाण इकत्रा किए हैं, जैसे दस्तावेज पेश किए हैं, उनमें बदलाव की ताकत है, बशर्ते कि हम बदलने को तैयार हों तथा कानून उस बदलाव को समर्थन देता हो। पुरुष समाज शतुर्मुर्ग की तरह रेत में मुंह गड़ाए रहेगा तो उसके हाथ धूल–गर्द के सिवा कुछ भी नहीं आएगा – स्त्री तो अब उसकी पकड़ से बाहर निकल ही रही है। पुरुष समाज पतित भी होगा और बिखर भी जाएगा।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्त्ता और गांधीवादी–अर्थशास्त्र की अध्येता हैं)

कैटरीना कैफ

के नाम एक और उपलब्धि! चीन की इस कंपनी की बनी ब्रांड एम्बेसडर

> कैटरीना कैफ ने कहा- मैं शाओमी परिवार में फिर से शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत ही रोमांचक समय है, जब यह ब्रांड लोगों के जीवन में इनोवेशन लाने के दस साल पूरे कर रहा है। शाओमी भारत में बहुत मशहूर है और उनकी इनोवेशन की प्रतिबद्धता की मैं बहुत सराहना करती हूं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ, शाओमी इंडिया की ब्रांड एम्बेसडर बन गयी हैं। अपने इनोवेशन के लिए मशहूर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने कैटरीना कैफ को अपना ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया। वह शाओमी के स्मार्टफोन, टीवी, और टेबलेट्स का प्रमोशन करेंगी। वह इस कंपनी के साथ जुड़कर बेहद खुश हैं। शाओमी को भारत में दस साल पूरे हो रहे हैं और इस समय किया गया यह गठबंधन हर किसी तक इनोवेशन पहुंचाने की शाओमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस गठबंधन में कैटरीना की वैश्विक अपील और आकर्षक सुंदरता सिमटी हुई है। शाओमी इंडिया ने चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अनुज शर्मा ने कहा–''भारत में इनोवेशन पेश करते हुए दस साल पूरे होने के साथ शाओमी परिवार में एक बार फिर कैटरीना कैफ का स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। उनकी शिष्टता, व्यापक अपील, और हमारे दर्शकों से गहरे जुड़ाव के कारण वो हमारे अगले चौप्टर के लिए उपयुक्त एम्बेसडर हैं। शाओमी का नया चेहरा बनने पर उत्साहित कैटरीना कैफ ने कहा– मैं शाओमी परिवार में फिर से शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत ही रोमांचक समय है, जब यह ब्रांड लोगों के जीवन में इनोवेशन लाने के दस साल पूरे कर रहा है। शाओमी भारत में बहुत मशहूर है और उनकी इनोवेशन की प्रतिबद्धता की मैं बहुत सराहना करती हूं। मुझे लगातार विकास कर रहे इस ब्रांड का हिस्सा बनने और इसकी प्रतिष्ठित विरासत में अपना योगदान देने की खुशी है। मैं शाओमी का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हूं, इस ब्रांड को पूरे देश के लोग पसंद करते हैं। मैं शाओमी की इनोवेटिव दुनिया में अपने फैंस से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

भीमा में नकारात्मक भूमिका के लिए दिया था ऑडिशन : स्मिता साबले

टेलीविजन शो भीमा में धनिया की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री स्मिता साबले ने कहा कि उन्होंने शुरुआत में शो में एक नकारात्मक किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। शो में उनका किरदार धनिया एक केयरिंग मां का है जो अपने परिवार की भलाई को प्राथमिकता देती है। हालांकि अभिनेत्री ने जिस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था वह वर्तमान में निभाए जा रहे उनके किरदार से बिल्कुल अलग थी। स्मिता ने कहा, यह काफी दिलचस्प कहानी है। मैंने शो भीमा के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन वह धनिया की भूमिका के लिए नहीं था। मैंने एक नकारात्मक भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन मुझे धनिया की भूमिका के लिए चुना गया। यह पूरी तरह से आश्चर्यचकित करने वाला था। मैं बहुत रोमांचित थी। धनिया का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं अपने करियर में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को लेकर खुश हूं। अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में कहा कि सामाजिक चुनौतियों के बावजूद अपनी बेटी भीमा की पढ़ाई के लिए धनिया की तरफदारी करना उसकी परवरिश की भावना का प्रमाण है। कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद धनिया का हिम्मत और दृढ़ संकल्प कभी कम नहीं हुआ। अभिनय जगत में आने से पहले अभिनेत्री ने 2019 तक कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम किया। हालांकि वह शुरू से ही एक्टिंग करना चाहती थीं। उन्होंने आगे बताया, ''अपने खाली समय में मैं वीडियो बनाती थी और सोशल मीडिया पर मोनोलॉग करती थी। मुझे मॉडलिंग में भी दिलचस्पी थी और मैं उस रास्ते से इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहती थी। हालांकि, 2020 में महामारी ने मेरे करियर को अभिनय की ओर मोड़ दिया। शो के लिए अपनी तैयारी के बारे में उन्होंने कहा, महाराष्ट्रीयन होने के नाते उत्तर प्रदेश में सेट किए गए शो पर काम करने के लिए मुझे स्थानीय बोली और लहजे में महारत हासिल करने की जरूरत थी ताकि मैं अपने किरदार के प्रति प्रामाणिक और सच्ची बन सकूं। मेरे पिछले अनुभव से मुझे काफी मदद मिली। मेरी टीम और सह–कलाकारों के समर्थन ने वास्तव में इसमें मेरी काफी मदद की।उन्होंने कहा, ''उन्होंने मुझे भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सही भावों का उपयोग करने में मार्गदर्शन किया, इस प्रकार धनिया के मेरे चित्रण को और अधिक वास्तविक बना दिया"।'भीमा' एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

कंगना रनौत

ने मुंबई के पाली हिल स्थित बंगले को 32 करोड़ रुपये में बेचा, 7 साल पहले खरीदा था आशियाना

अभिनेत्री–राजनेता कंगना रनौत ने मुंबई के पाली हिल स्थित अपना बंगला बेच दिया है। जैपकी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री ने यह संपत्ति 32 करोड़ रुपये में बेची है। अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' का बेसब्री से इंतजार कर रही कंगना ने मूल रूप से सितंबर 2017 में 20.7 करोड़ रुपये में बंगला खरीदा था और बाद में दिसंबर 2022 में इसके एवज में बैंक से 27 करोड़ रुपये का लोन लिया था। अभिनेत्री ने इस संपत्ति का इस्तेमाल अपने प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स के कार्यालय के रूप में किया। दस्तावेजों में बताया गया है कि बंगले में 3,075 वर्ग फीट का निर्मित क्षेत्र शामिल है और इसमें 565 वर्ग फीट पार्किंग की जगह भी शामिल है। 1.92 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये के पंजीकरण शुल्क के साथ 5 सितंबर, 2024 को आधिकारिक तौर पर लेनदेन पंजीकृत किया गया था। दस्तावेजों के अनुसार, खरीदार तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित कमलिनी होल्डिंग्स की पार्टनर श्वेता बठीजा हैं। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह वही संपत्ति है जो 2020 में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की जांच के दायरे में आई थी। उस साल सितंबर में, बीएमसी ने अवैध निर्माण का हवाला देते हुए कंगना के बांद्रा कार्यालय के कुछ हिस्सों को ध्वस्त कर दिया था। 9 सितंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा स्थगन आदेश जारी करने के बाद तोड़फोड़ को बीच में ही रोक दिया गया था। बाद में कंगना ने बीएमसी के खिलाफ मामला दर्ज कराया और मुआवजे के तौर पर 2 करोड़ रुपये मांगे, लेकिन मई 2023 में उन्होंने अपनी मांगें छोड़ दीं। इस बीच, सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से सर्टिफिकेट प्राप्त करने में समस्याओं के कारण कंगना की फिल्म इमरजेंसी में देरी हो गई है। 6 सितंबर को, कंगना ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि जल्द ही नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी। अभिनेता द्वारा लिखित और निर्देशित इमरजेंसी में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

शर्म कर तू मुस्लिम है.. बप्पा की तस्वीर शेयर करने पर ट्रोल हुई सारा

बॉलीवुड दिवा सारा अली खान ने गणेश उत्सव के शुभ अवसर पर बप्पा को घर लाने की तस्वीरें साझा की हैं। हालांकि हिंदू रीति–रिवाजों को निभाने के लिए नेटिजन्स द्वारा उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। सारा ने गणपति की एक खूबसूरत मूर्ति के साथ अपनी तस्वीरें साझा की हैं, जिसे लेकर उन्हे तरह–तरह की बातें सुनने को मिल रही है। सारा ने अपने पोस्ट में लिखा–हैप्पी गणेश चतुर्थी... बप्पा हम सभी के लिए केवल खुशी और शांति लाएंष। इस दौरान वह नारंगी रंग के एथनिक सूट में बेहद प्यारी लग रही हैं। कुछ लोगों को यह पोस्ट पसंद नहीं आया। एक यूजर ने लिखा– ष्बॉलीवुड की सबसे धर्मनिरपेक्ष नायिका। अन्य ने लिखा–हम उसे मुस्लिम नहीं मानते..इनका बस नाम मुस्लिम है...। एक यूजर ने लिखा–शर्म कर तू मुस्लिम हैष। वहीं किसी और ने लिखा–तुम्हारा फतवा निकल जाएगा। इससे पहले भी सारा मंदिर जाने को लेकर लोगों के निशाने पर आ चुकी है। ऐसे में उन्होंने कहा था– मैं अपने काम को काफी सीरियल से लेती हूं, मैं लोगों के लिए, आपके लिए काम करती हूं। मुझे बहुत बुरा लगेगा अगर आप लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं तो." सारा ने कहा था कि–मैं अजमेर शरीफ उसी भक्ति के साथ जाती हूं जिस भक्ति के साथ मैं बंगला साहिब या महाकाल जाती हूं और मैं इसी तरह आगे भी जाती रहूंगी। लोग जो चाहें कह सकते हैं, मुझे कोई समस्या नहीं है। अगर किसी जगह जाने से आपको अच्छी एनर्जी आती है तो वहां जरूर जाना चाहिए. मैं ऊर्जा में विश्वास करती हूं."।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ अमेरिका में आईफोन 16 लॉन्च में शामिल हुए

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने 9 सितंबर को एप्पल के सीईओ टिम कुक से मुलाकात की। वे यूएसए में कंपनी के मुख्यालय में एप्पल के आईफोन 16 सीरीज के लॉन्च में शामिल हुए। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, अदिति ने इसे 'अविस्मरणीय और जादुई' अनुभव बताया। उन्होंने टिम कुक को सबसे प्यारे और दयालु व्यक्ति होने के लिए धन्यवाद दिया। दंपति ने आईफोन लॉन्च में दो दिन बिताए। कुछ तस्वीरें साझा करते हुए, अदिति राव ने लिखा, क्या अविस्मरणीय, जादुई अनुभव था... धन्यवाद सबसे प्यारे, सबसे दयालु, सबसे आदरणीय टिम कुक । उन्होंने आगे कहा, "पिछले दो दिन हम दोनों के लिए बहुत खास रहे हैं, हम दिमाग को झकझोर देने वाली प्रतिभा, महाकाव्य रचनात्मकता, शीर्ष प्रौद्योगिकी और सौंदर्यशास्त्र से घिरे हुए हैं। लेकिन सबसे खास बात उन लोगों से मिलना था जो Apple पारिस्थितिकी तंत्र बनाते हैं... Apple परिवार। दयालु निर्माता, गर्म और प्यार करने वाले प्रतिभाशाली इनोवेटर, सबसे विस्तृत और समावेशी दिल वाले शानदार दिमाग। हमारे दिमाग चार्ज हैं और हमारे दिल भरे हुए हैं। धन्यवाद @appleA" अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ आज, 9 सितंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका में कंपनी के मुख्यालय में |चचसम के पचीवदम 16 के बहुप्रतीक्षित लॉन्च में शामिल हुए। खुद को ब्रांड का प्रशंसक बताते हुए, अदिति और सिद्धार्थ ने कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ संयुक्त राज्य अमेरिका में कंपनी के मुख्यालय में Apple ds iPhone 16 के बहुप्रतीक्षित लॉन्च में शामिल हुए। खुद को ब्रांड का प्रशंसक बताते हुए, अदिति और सिद्धार्थ ने इस कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में विशेष पहचान पत्र दिखाते हुए, जोड़े ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ''पहली बार #applekeynote में। दो Apple प्रशंसक रोमांच पर। चलो चलते हैं। सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी इस साल के अंत में भारत में शादी करने के लिए तैयार हैं। 2021 से डेटिंग करने के बाद, इस जोड़े ने इस साल मार्च में वानापर्थी के पास श्रीरंगपुरम मंदिर में सगाई कर ली। हाल ही में एक साक्षात्कार में, हीरामंडी अभिनेता ने बताया कि कैसे सिद्धार्थ ने उन्हें एक स्कूल में प्रपोज किया, जिसकी स्थापना उनकी दादी ने की थी। उन्होंने बहुत अधिक विवरण बताए बिना अपनी शादी के स्थान के बारे में भी अपडेट दिया। अदिति ने याद किया कि सिद्धार्थ ने जब उन्हें प्रपोज किया था, तब वे कितने विचारशील थे। उन्होंने वोग इंडिया को बताया मैं अपनी नानी के सबसे करीब थी, जिनका कुछ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने हैदराबाद में एक स्कूल खोला था। एक दिन सिद्धार्थ ने मुझसे पूछा कि क्या वह इसे देख सकते हैं, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह पता था कि मैं उनसे कितनी करीब थी। उन्होंने आगे कहा, ष्शादी वानापर्थी में 400 साल पुराने मंदिर के इर्द–गिर्द केंद्रित होगी, जो मेरे परिवार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

शादी से पहले पार्टनर के साथ बिताना चाहते हैं हसीन पल, तो इन सस्ती जगहों पर जाएं घूमने

शादी से पहले ही यदि आप अपने पार्टनर को अच्छे से समझ लेते हैं और उनके साथ बढ़िया तालमेल बैठ जाता है। तो बाकी की जिंदगी खुशी–खुशी गुजरती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि आपके बीच लड़ाई–झगड़े नहीं होंगे। लेकिन जरूरी यह होता है कि आप अपने रिश्ते को किस तरह से संभालते हैं। ऐसे में अगर आप भी शादी से पहले अपने होने वाले पार्टनर को अच्छे से समझना चाहते हैं, तो आप उनके साथ ट्रिप प्लान कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की कुछ रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नैनीताल

अगर आप कम बजट में पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको नैनीताल से अच्छी जगह नहीं मिलेगी। यह उत्तराखंड की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। नैनीताल कपल्स का रोमांटिक डेस्टिनेशन है। यह जगह समुद्र तल से 2000 मीटर ऊपर है। आप यहां पर अपनी आंखों के सामने बादलों को बनते देख सकते हैं। यहां का नजारा आप जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे। पार्टनर के साथ नए रिश्ते की शुरूआत करने के लिए इससे अच्छी जगह नहीं हो सकती है।

कर्नाटक का चिकमंगलूर

कर्नाटक का चिकमंगलूर एक ऐसा हिल स्टेशन है, जो बारिश के मौसम में स्वर्ग की तरह लगता है। बता दें कि कम बजट वाले लोगों के लिए यह बेहद शानदार जगह है। आपको यहां पर कपल्स नजर आएंगे। क्योंकि यह भारत के रोमांटिक डेस्टिनेशन में से एक है। यहां पर चाय–कॉफी के बागानों के अलावा खूबसूरत झरने आपके ट्रिप को ज्यादा यादगार बनाने का काम करेंगे।

मुन्नार

शादी के पहले पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताने के लिए आप मुन्नार जा सकते हैं। यह भारत में सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यहां आप अच्छे तीर्थ स्थानों के साथ हरे–भरे चाय के बागानों और कॉफी के बागान देखने को मिलेंगे। आप यहां पर भगवान के आशीर्वाद लेने के साथ एक–दूसरे को समझने के लिए अच्छा समय बिता सकते हैं।

ऊटी

अगर आप शादी से पहले पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नीलगिरि पहाड़ों में बसे ऊटी का नजारा देखने जा सकते हैं। शादी के बाद भले ही आप अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाएंगे, लेकिन आप यह ट्रिप पार्टनर के साथ नहीं भूल पाएंगे। ऐसे में शादी से पहले पार्टनर के साथ बिताए गए पल हर कपल्स के लिए बेहद खास होते हैं। वहीं यदि आप भी अपनी ट्रिप को यादगार बनाना चाहते हैं, तो आप पार्टनर के साथ ऊटी का ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

अर्जुन की छाल का इन तरीकों से कर लिया सेवन, तो कई बीमारियों से मिलेगी राहत

कोलेस्ट्रॉल, जो कि खून में पाया जाने वाला एक मोमी पदार्थ है, हमारे शरीर के लिए कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक है। लेकिन जब इसका स्तर बढ़ जाता है, तो यह दिलसे जोड़े रोगों के खतरे को भी बढ़ा सकता है। अब सवाल यह उठता है कि इस स्थिति से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है? अर्जुन की छाल एक प्रभावी नेचुरल उपाय हो सकती है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल में रखने में मदद कर सकती है। हम जानेंगे कि अर्जुन की छाल कैसे काम करती है, इसके स्वास्थ्य लाभ क्या हैं, और इसे अपनी डाइट में शामिल करने के सही तरीके क्या हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि अर्जुन की छाल कोलेस्ट्रॉल को कैसे कम कर सकती है और इसके सेवन के सही तरीके क्या हैं।

अर्जुन की छाल के लाभ

कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक

अर्जुन की छाल में एंटी–कोलेस्ट्रॉल गुण होते हैं जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यह एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) को कम और एलडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल) को बढ़ाने में सहायक है। अर्जुन की छाल के पाउडर को पानी, दूध, या शहद के साथ मिलाकर लिया जा सकता है। या फिर अर्जुन की छाल को उबालकर चाय बनाई जा सकती है। बाजार में अर्जुन की छाल के कैप्सूल भी मिलते हैं, जिन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार लिया जा सकता है।

दिल की सुरक्षा

अर्जुन की छाल का नियमित सेवन दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। यह छाल रक्तवाहिकाओं की दीवारों को मजबूत करती है और धमनियों में प्लाक के जमने की संभावना को कम करती है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा घटता है। इसके अलावा, अर्जुन की छाल रक्तदाब को नियंत्रित करने में भी सहायक होती है, जो हृदय रोगों के जोखिम को और कम कर देती है।

ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करना

अर्जुन की छाल में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो रक्तदाब को सामान्य रखने में सहायक होते हैं। यह छाल रक्तदाब को नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे हृदय पर अत्यधिक दबाव कम होता है। उच्च रक्तदाब, जिसे हाइपरटेंशन भी कहा जाता है, हृदय रोगों का एक प्रमुख कारण है। अर्जुन की छाल इसका स्तर नियंत्रित करके हृदय की धड़कनों को नियमित करती है और धमनियों पर दबाव को कम करती है।

वजन कम करने में सहायक

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल से वजन काम होने में भी मदद मिलती है। अर्जुन की छाल के सेवन से शरीर में फैट की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

मेटाबोलिज्म को भी सुधारता हैं।अर्जुन की छाल मेटाबोलिज्म को सुधारने में सहायक होती है, जिससे शरीर की ऊर्जा का उपयोग बेहतर तरीके से होता है और वसा के जमा होने की संभावना घट जाती है।

डिटॉक्सिफिकेशन में मददगार

अर्जुन की छाल में मौजूद नेचुरल तत्व शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। यह छाल किडनी और लीवर के कार्य को सुधारती है, जिससे ये अंग विषाक्त पदार्थों को अधिक प्रभावी ढंग से फिल्टर कर सकते हैं। इसके सेवन से शरीर में जमी गंदगी और विषैले तत्व बाहर निकलते हैं, जिससे अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

अर्जुन की छाल का सेवन कैसे करें

1. अर्जुन की छाल के पाउडर को एक गिलास पानी, दूध, या शहद में मिलाकर दिन में एक बार लें।

2. अर्जुन की छाल को उबालकर चाय बनाई जा सकती है। इसके लिए, छाल के छोटे टुकड़ों को पानी में उबालें और छानकर पिएं।

3. अर्जुन की छाल के कैप्सूल भी उपलब्ध हैं, जिन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार लिया जा सकता है।

अर्जुन की छाल दिल की सुरक्षा और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक प्रभावशाली प्राकृतिक उपाय हो सकती है। इसके नियमित सेवन से हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकता है। हालांकि, अर्जुन की छाल का सेवन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना महत्वपूर्ण है, ताकि आप अपने स्वास्थ्य के लिए सही निर्णय ले सकें।

थायराइड मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है अंडा, जानिए इसके बेहतरीन फायदे

थायराइड की समस्या आजकल काफी आम हो गई है, और इसके मैनेज करने के लिए सही खान–पान बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आपको थायराइड की समस्या है, तो आपको अपने आहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। अंडा, जो कि प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत है, थायराइड मरीजों के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए जानें कैसे अंडा थायराइड के मरीजों के लिए लाभकारी हो सकता है और इसे अपने आहार में कैसे शामिल किया जा सकता है।

अंडे में पाए जाने वाले पोषक तत्व

अंडा न केवल प्रोटीन से भरपूर होता है, बल्कि इसमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं, जो थायराइड की समस्याओं को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इनमें शामिल हैं–

आयोडीन

अंडे में आयोडीन की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो थायराइड ग्रंथि के सही कार्य के लिए आवश्यक है। आयोडीन थायराइड हार्मोन के उत्पादन में सहायक होता है, जो शरीर की कई महत्वपूर्ण क्रियाओं को कंट्रोल करता है। इन्हें नाश्ते में या स्नैक के रूप में खा सकते हैं, जो कि प्रोटीन और आयोडीन का अच्छा स्रोत होता है।

सेलेनियम

अंडे में सेलेनियम भी पाया जाता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है और थायराइड ग्रंथि की सुरक्षा में मदद करता है। सेलेनियम थायराइड हार्मोन के निर्माण और कार्य में सहायक होता है और थायराइड के उचित कार्य को बनाए रखता है। सेलेनियम एक प्रभावशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को बेअसर करता है। यह थायराइड ग्रंथि को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करता है, जिससे थायराइड की बीमारी के जोखिम को कम किया जा सकता है।

विटामिन डी

अंडे का योल्क विटामिन डी का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हड्डियों और थायराइड के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण को बेहतर बनाता है और थायराइड हार्मोन के निर्माण में सहायक होता है। अपने आहार में अंडे को शामिल कर के आप विटामिन डी के लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होता है। हालांकि, किसी भी आहार संबंधी बदलाव से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना हमेशा उचित होता है।

विटामिन बी12

थायराइड की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए विटामिन बी12 भी आवश्यक है। अंडे में विटामिन बी12 की अच्छी मात्रा होती है, जो ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में मदद करता है और थायराइड के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

अंडे का सेवन कैसे करें?

उबले हुए अंडे प्रोटीन और पोषक तत्वों का एक बेहतरीन स्रोत होते हैं। इन्हें नाश्ते में या स्नैक के रूप में शामिल कर सकते हैं। अंडे की आमलेट बनाकर उसमें सब्जियाँ मिला सकते हैं, जो कि पोषण से भरपूर और स्वादिष्ट होती है। उबले हुए अंडों को सैलाद में डाल सकते हैं, जिससे कि आप एक पौष्टिक और संतुलित आहार प्राप्त कर सकें। अंडे का सूप भी एक अच्छा स्नैक हो सकता है, जो आपको गर्म और पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। अंडा थायराइड मरीजों के लिए एक बहुपरकारी भोजन साबित हो सकता है। इसमें मौजूद आयोडीन, सेलेनियम, विटामिन डी, और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व थायराइड की समस्याओं को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। लेकिन, किसी भी आहार में बदलाव करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना हमेशा सही होता है। सही मात्रा में अंडे का सेवन आपके थायराइड स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और आपके समग्र स्वास्थ्य को भी लाभ पहुँचा सकता है।

त्वचा के लिए एलोवेरा या मलाई क्या सबसे बेहतर क्या है? जानें एक्सपर्ट की राय

अगर आप के पास त्वचा देखभाल के लिए समय नहीं है? तो आप इन बातों को ध्यान में रखकर आप भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। होममेड टिप्स के माध्यम से त्वचा देखभाल और स्वस्थ लाइफस्टाइल विकल्प आपकी त्वचा की मरम्मत कर सकते हैं, प्राकृतिक उम्र बढ़ने को धीमा करने में मदद कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार की त्वचा समस्याओं से बच सकते हैं। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं। नियमित या साप्ताहिक आधार पर इन उत्पादों को हमारे चेहरे की त्वचा पर लगाने से सनबर्न, मुंहासे और एक्जिमा जैसी त्वचा की समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं एलोवेरा या मलाई क्या फायदेमंद है।

स्किन के लिए एलोवेरा के लाभ

इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी 12 के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो त्वचा की चोटों और घावों से होने वाले दर्द, सूजन और खराश से राहत दिलाने में मदद करते हैं और साथ ही कोलेजन के विकास को भी बढ़ावा देते हैं। एलोवेरा का एंटीऑक्सीडेंट कार्य हमारी त्वचा को सूरज की क्षति और विकिरण से बचाता है, साथ ही उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इसकी उच्च जल सामग्री त्वचा को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में सहायता करती है।

स्किन पर मलाई लगाने के फायदे

मलाई सिर्फ सफेद या पीले रंग की जमा हुई क्रीम है। इसे शुद्ध और गैर–होमोजेनाइज्ड दूध को 180 डिग्री सेल्सियस पर उबालकर तैयार किया जाता है। क्रीम के ठंडा होने के बाद, उबलने की प्रक्रिया के ऊपर प्रोटीन और वसा की एक जमा हुई परत बन जाती है और ऊपर से धीरे से हटा दी जाती है, जिससे मलाई बनती है। मलाई आपको चमकदार त्वचा प्रदान करती है, जो रेशमी और कोमल होती है। चमकदार स्किन पाने के लिए बस एक बड़ा चम्मच बेसन और मलाई मिलाएं और 20 मिनट तक लगाएं। यदि आप इसे सप्ताह में एक या दो बार करते हैं, तो अंततः आपको चमकदार फिनिश के साथ चिकनी, कोमल त्वचा मिलेगी। मलाई का उपयोग प्राकृतिक क्लींजर के रूप में भी किया जाता है क्योंकि यह छिद्रों को खोलता है और त्वचा की सतह से धूल को तुरंत हटा देता है, मुंहासे और अन्य कणों को रोकता है। परिणामस्वरूप, यह एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट, टैन रिमूवर और त्वचा मॉइस्चराइजर के रूप में कार्य करता है।

एलोवेरा और मलाई– कौन सा बेहतर है?

एलोवेरा और मलाई दोनों ही त्वचा के लिए लाभकारी हैं, लेकिन वे बनावट, अनुप्रयोग और अन्य कारकों में भिन्न हैं। उन्हें उनके प्राकृतिक रूप में निकाला और उपयोग किया जाता है, हालांकि एलोवेरा का उपयोग आमतौर पर त्वचा और बालों के लाभ के लिए किया जाता है क्योंकि यह जल्दी से हमारी त्वचा में घुलमिल जाता है।

संक्षिप्त

सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के IIM बैचमेट्स ने उनके खिलाफ लगे आरोपों की निंदा की, कही है ये बात

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगातार कई आरोप लग रहे है। इन आरोपों के बीच माधबी पुरी बुच के आईआईएम–अहमदाबाद बैच के उनके दोस्तों और साथियों ने उनका समर्थन किया है। बुच के साथियों ने उनपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है। उनके आईआईएम के पुराने दोस्तों ने कहा है कि बुच के बारे में जो भी बातें फैलाई जा रही बातें उन्हें सही नहीं लगती है। गौरतलब है कि माधबी पुरी बुच 1988 में देश के शीर्ष प्रबंधन बी–स्कूल यानी आईआईएम से पास हुई थीं। उन्होंने एक बयान में कहा कि आरोपों का न केवल उनके व्यक्तिगत रूप से बल्कि एक ष्महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक संस्थानष् जो की आईआईएम है, उसकी विश्वसनीयता पर भी प्रभाव पड़ेगा। उनके बैचमेट्स ने कहा कि उन्होंने ष्प्रश्नों से परिचित लोगोंष् से बात की और दावों की पुष्टि करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दस्तावेजों को देखा, जिसके बाद ष्आश्चर्य की बात नहीं है, हमने पाया कि उनके बारे में बनाई जा रही कहानी, जो जाहिर तौर पर उनके आयकर रिटर्न से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है, स्पष्ट रूप से झूठी है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब ऐसी खबरें आई हैं कि संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) सेबी प्रमुख की जांच करने वाली है और इस महीने के अंत में उन्हें तलब कर सकती है। इससे पहले हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की सेबी की जांच को लेकर माधवी पुरी बुच पर हितों के टकराव का आरोप लगाया था।

सैमसंग की भारत इकाई के कर्मचारियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल, इस कारण किया फैसला

सैमसंग इंडिया के कई कर्मचारी सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए, उनका आरोप है कि दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज कंपनी कर्मचारी संघ की मान्यता में बाधा डाल रही है। उन्हें वेतन संशोधन को लेकर भी चिंता है और वे चाहते हैं कि कंपनी यूनियन के साथ बातचीत करे। सीआईटीयू से संबद्ध इस यूनियन का गठन दो महीने पहले चेन्नई के पश्चिम में श्रीपेरंबदूर के पास सुंगुवरचत्रम स्थित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में किया गया था। यूनियन को अभी

यूनियन रजिस्ट्रार के अधीन पंजीकृत होना बाकी है। यूनियन के अध्यक्ष ई मुथुकुमार ने कहा, ष्हमारी मांगें पूरी नहीं की गईं और प्रबंधन ने हमसे यूनियन को भंग करने का आग्रह किया है। वे शिकायतें करके यूनियन की मान्यता में बाधा डाल रहे हैं। जब यूनियन ने ओवरटाइम बंद करने का फैसला लिया, तो प्रबंधन ने कर्मचारियों को 11 घंटे तक ओवरटाइम करने के लिए मजबूर किया। यूनियन के अध्यक्ष ई मुथुकुमार ने कहा, हमारी मांगें पूरी नहीं की गईं और प्रबंधन ने हमसे यूनियन को भंग करने का आग्रह किया है। वे शिकायतें करके यूनियन की मान्यता में बाधा डाल रहे हैं। जब यूनियन ने ओवरटाइम बंद करने का फैसला लिया, तो प्रबंधन ने कर्मचारियों को 11 घंटे तक ओवरटाइम करने के लिए मजबूर किया। सैमसंग इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ष्सैमसंग इंडिया में हमारे कर्मचारियों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम अपने कर्मचारियों की शिकायतों को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से उनके साथ जुड़े रहते हैं और सभी कानूनों और नियमों का पालन करते हैं। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि हमारे उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न हो। यह कारखाना भारत में सैमसंग की दो इकाइयों में से एक है और यहां टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, एसी और वॉशिंग मशीन जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बनाए जाते हैं। माना जा रहा है कि सैमसंग इंडिया के अधिकारी मंगलवार को कर्मचारियों से बातचीत करेंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट में 10: हिस्सेदारी खरीदने की योजना पर जीएमआर एयरपोर्ट्स के शेयरों में 3प्रतिशत की उछाल

जीएमआर एयरपोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में मंगलवार (10 सितंबर) को 2.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बीएसई पर यह 93.31 रुपये प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कंपनी द्वारा जर्मनी की फ्रापोर्ट की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करके दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीएआईएल) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना की घोषणा के बाद शेयर में तेजी आई। यह लेन–देन 180 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 9रू31 बजे जीएमआर एयरपोर्ट्स के शेयर 1.42 प्रतिशत या 1. 29 रुपये की बढ़त के साथ 92.19 रुपये पर थे, जबकि बीएसई सेंसेक्स 168.79 अंकों की बढ़त के साथ 81,728.33 पर था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, जीएमआर एयरपोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्व में जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) (जीआईएल) ने फ्रापोर्ट एजी फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट सर्विसेज वर्ल्डवाइड (फ्रापोर्ट) के साथ शेयर खरीद समझौता किया है, जिसके तहत जीआईएल द्वारा फ्रापोर्ट से कंपनी की सहायक कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में उनकी मौजूदा अल्पसंख्यक 10 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार यह सौदा 126 मिलियन डॉलर का होगा।

दलीप ट्रॉफी 2024 : दूसरे दौर के लिए बीसीसीआई ने किया टीमों का ऐलान, राहुल–गिल की जगह रिंकू सिंह को मिला मौका

12 सितंबर से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से मंगलवार को आराम दिया गया। रविवार को राष्ट्रीय टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को भी जगह मिली। रविवार को राष्ट्रीय टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को भी जगह मिली।

ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल सहित बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के लिए भारतीय टीम में चुने गए अधिकतर खिलाड़ियों को 12 सितंबर से यहां शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से मंगलवार को आराम दिया गया। रविवार को राष्ट्रीय टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को भी जगह मिली। इन सभी को दूसरे दौर में खेलने से छूट दी गई है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल और सरफराज खान को हालांकि दलीप ट्रॉफी से नहीं हटाया गया है जिससे संकेत मिलते हैं कि वे चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा, ''चयनकर्ताओं ने गिल के विकल्प के तौर पर प्रथम सिंह (रेलवे), लोकेश राहुल के विकल्प के तौर पर अक्षय वाडकर (विदर्भ) और जुरेल के विकल्प के तौर पर एसके रशीद (आंध्र) को चुना है।'' बयान के अनुसार, ''बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे जबकि आकाश दीप की जगह आकिब खान (उत्तर प्रदेश) को चुना गया है।'' गिल की जगह मयंक अग्रवाल को भारत 'ए' टीम का कप्तान बनाया गया है। जायसवाल और पंत के विकल्प के तौर पर चयनकर्ताओं ने सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को चुना है। भारत 'डी' टीम में अक्षर के स्थान पर निशांत संधू को जगह मिली है। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे हल्की चोट के कारण मुकाबले से बाहर हो गए हैं। रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली भारत 'सी' टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिसंबर 2022 के बाद पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलते हुए पंत ने दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में प्रभावित किया था। लोकेश राहुल और आकाश दीप ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

अपडेट टीम इस प्रकार हैं–

भारत ए : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रियान पराग, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियान, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत, प्रथम सिंह, अक्षय वाडकर, एसके रशीद, शम्स मुलानी और आकिब खान।

भारत बी : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), सरफराज खान, मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीशन, सुयश प्रभुदेसाई, रिंकू सिंह और हिमांशु मंत्री।

भारत डी टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व ताइडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, सारांश जैन, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत, सौरभ कुमार, संजू सैमसन, निशांत संधू औरविद्वथ कावेरप्पा।

बांग्लादेश के नाहिद राणा ने भारत के खिलाफ बनाया प्लान, टीम इंडिया को 6.2 फुट के लंबे गेंदबाज से रहना होगा सावधान

19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। इस

सीरीज में नदीम राणा का अहम रोल रहने वाला है। दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा का रोल बहुत अहम रहा था। बांग्लादेश ने पाकिस्तानी के खिलाफ 2–0 से क्लीनस्वीप किया था और नाहिद राणा ने इस सीरीज में 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं नाहीद राणा अब भारत के खिलाफ प्लान बना रहे हैं। जिससे टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनसे निपटना बड़ी चुनौती होगी। 21 सास का ये गेंदबाज 6.2 इंच लंबा है और लगातार करीब 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेदंबाजी करने में सक्षम है। बांग्लादेश क्रिकेट ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, इमें राणा ने कहा कि, निश्चित रूप से हम भारत के खिलाफ सीरीज के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। हमने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। हम जितनी ज्यादा प्रैक्टिस करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि, भारत की टीम बहुत अच्छी है लेकिन जो टीम अच्छा खेल दिखाएगी उसे जीत मिलेगी। राणा ने इस साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और इस मैच में उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार निकाल कर लोगों को ध्या खींचा था। पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं राणा ने कहा कि, पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले मैंने कहा था कि मैं अपने देश के लिए कुछ हासिल करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि मुझसे जो उम्मीद की गई थी उस पर मैं खरा उतरा हूं। फिलहाल, भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा। जहां कि पिच से उछाल मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले मैदान पर वापसी करेंगे सूर्यकुमार

भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव अब फिट हो गए हैं। वहीं उन्हें लेकर अच्छी खबर है कि, वह बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सूर्या टीम इंडिया में वापसी से पहले ही मैदान में उतरेंगे। वह दलीप ट्रॉफी का दूसरा मैच खेलने उतर सकते हैं। हिन्दुस्तार टाइम्स ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से कहा कि, सूर्युकमार यादव की रिकवरी अच्छी रही। वह पूरी तरह से फिट हैं, टी20 कप्तान सूर्या भी ये बात जानते हैं। सूर्या दलीप ट्रॉफी में इंडिसा सी का हिस्सा हैं। उन्हें इंडिया डी के खिलाफ मैच खेलना था। लेकिन बुची बाबू टूर्नामेंट के दौरान उन्हें अंगूठें में चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें वहां से नेशनल क्रिकेट एकेडमी जाना पड़ा। एनसीए में सूर्यकुमार बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। बेंगलुरु में खेले जा रहे इंडिया ए बनाम इंडिया बी के मैच के दौरान स्टेडियम में नजर आए थे। ये मैच बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा था। इंडिया सी ने अब तक सूर्यकुमार यादव की रिप्लेसमेंट का ऐलान किया है। ऐसे में उनकी वापसी की उम्मीद बढ़ गई है। अगर सूर्य ये मैच खेलते हैं तो ये 14 महीने में उनका पहला रेड बॉल क्रिकेट मैच होगा।

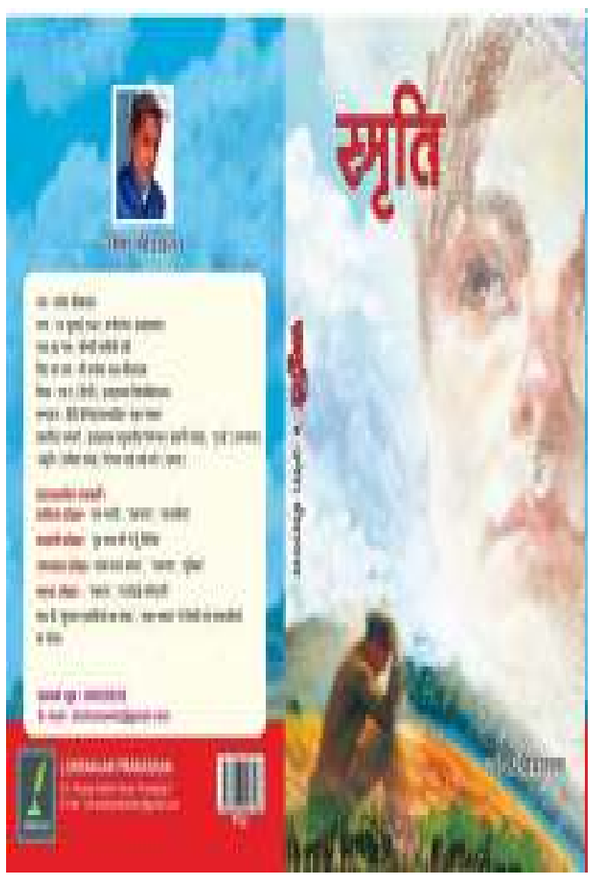

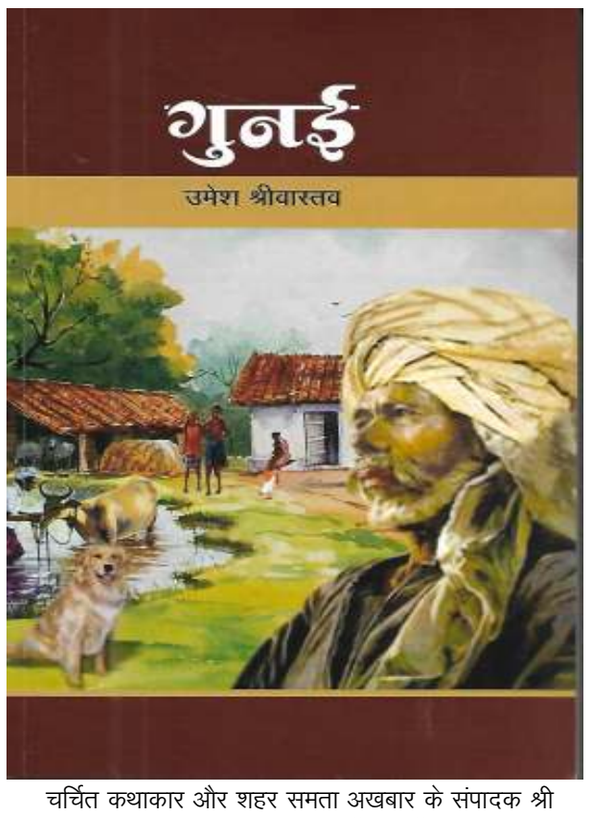

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

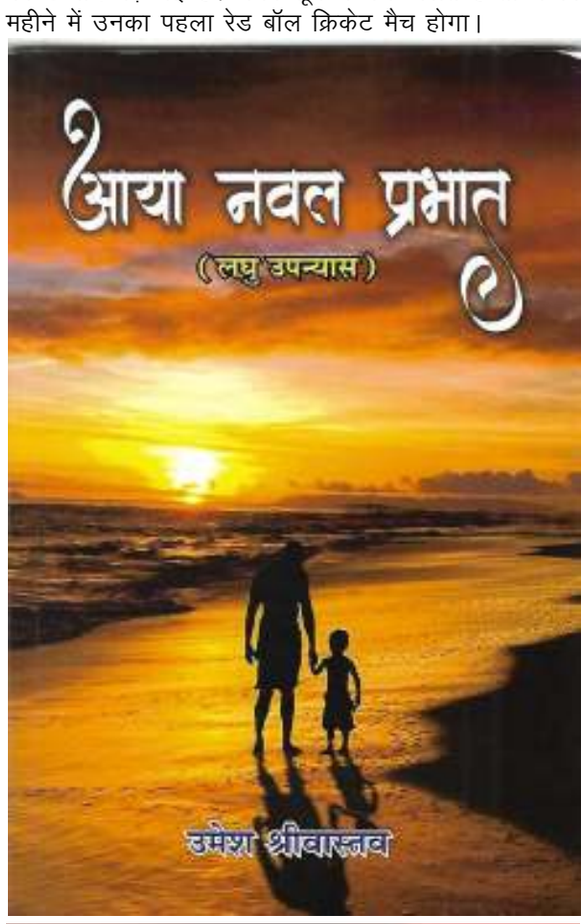

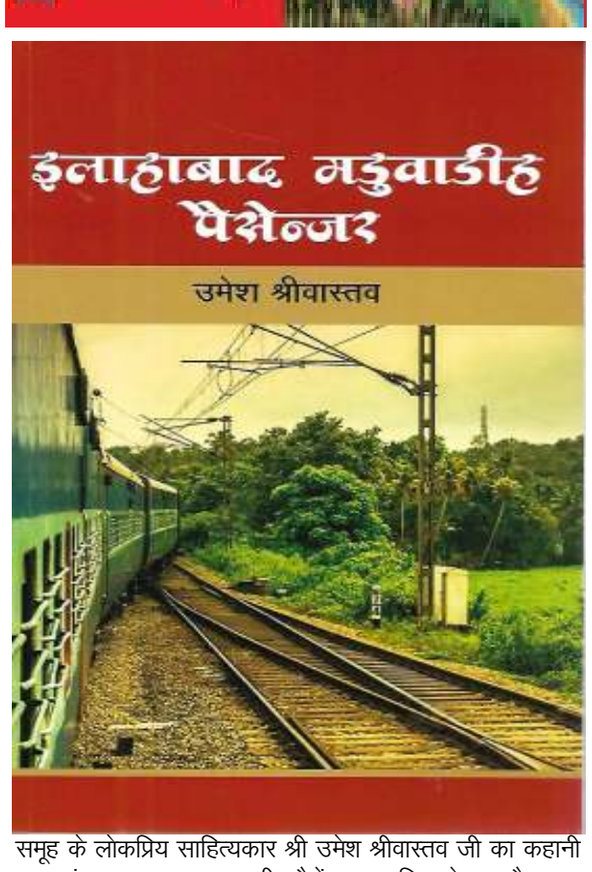

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

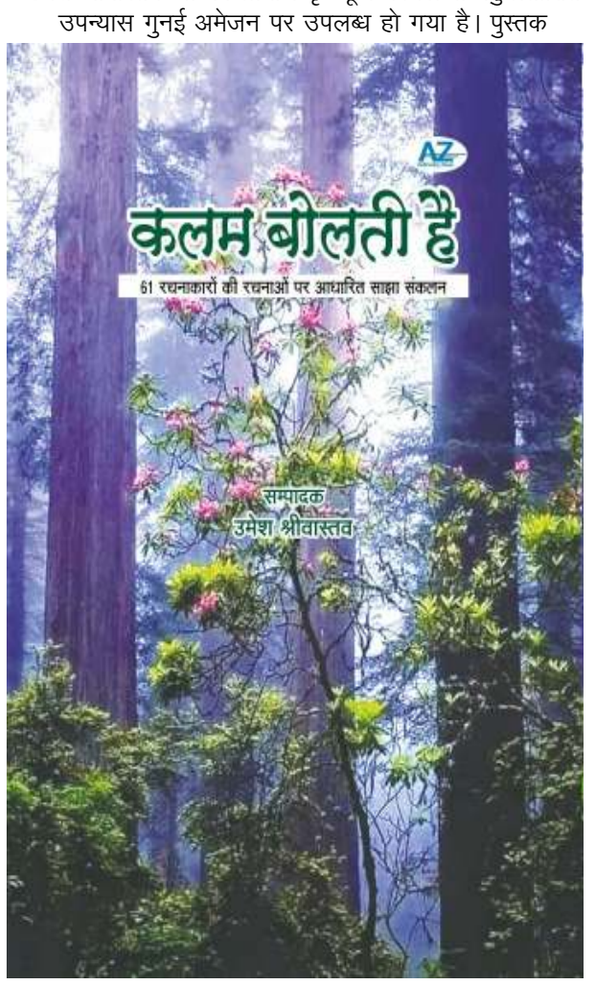

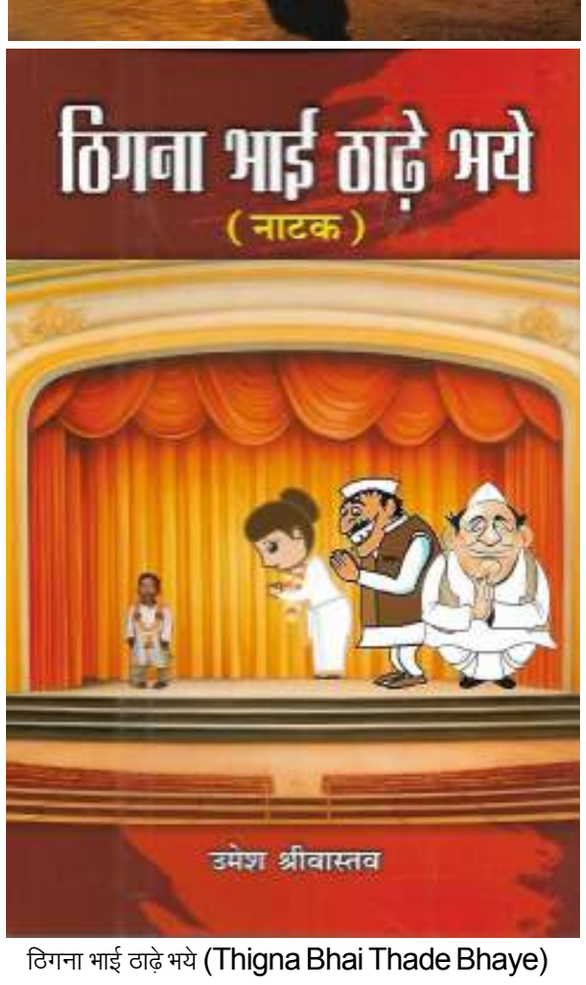

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पुतिन कर रहे मध्यस्था की बात, इधर यूक्रेन ने मॉस्को पर दाग दिए एक साथ 144 ड्रोन, रूस के कई हवाईअड्डे को किया गया बंद

यूक्रेन ने मॉस्को और पश्चिमी रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया। 140 से अधिक ड्रोन अटैक से कम से कम एक महिला की मौत हो गई। दर्जनों घर बर्बाद हो गए और राजधानी में प्रमुख हवाई अड्डों को बंद करना पड़ा। अधिकांश ड्रोन रूस द्वारा मार गिराए गए। रूस के विमानन प्राधिकरण रोसावियात्सिया ने कहा कि हमलों के बाद मॉस्को के चार हवाई

अड्डों में से तीन को हवाई यातायात के लिए बंद कर दिया गया, क्योंकि 48 उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। राजधानी की ओर जाने वाली एक प्रमुख सड़क आंशिक रूप से बंद कर दी गई। मॉस्को के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा कि ड्रोन हमलों ने मॉस्को क्षेत्र के रामेंस्कॉय जिले में कम से कम दो ऊंची अपार्टमेंट इमारतों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे फ्लैटों में आग लग गई। मॉस्को के रेमेनस्कॉय में हुए हमले में 46 साल की एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। वोरोब्योव ने कहा कि 43 लोगों को अस्थायी आवास केंद्रों में पहुंचाया गया। सोशल मीडिया वीडियो में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की खिड़कियों से आग की लपटें निकलती दिखाई दे रही हैं, जिसमें कहा गया है कि रामेंस्कॉय जिले में दर्जनों फ्लैट क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अलेक्जेंडर ली ने रॉयटर्स को बताया कि मैंने खिड़की से देखा और आग का एक गोला देखा। झटके से खिड़की उड़ गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, क्रेमलिन से लगभग 50 किलोमीटर (31 मील) दक्षिण–पूर्व में स्थित रामेंस्कॉय जिले की आबादी लगभग सवा लाख है। जैसे–जैसे रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, कीव 6 अगस्त को रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र पर एक साहसिक हमले और रूसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों के साथ युद्ध को रूस तक ले जाने की कोशिश कर रहा है। रूसी सेना ने कहा कि उसने एक दर्जन रूसी क्षेत्रों में 158 यूक्रेनी ड्रोनों को रोका, जिसे रूसी मीडिया ने युद्ध की शुरुआत के बाद से सबसे बड़ा यूक्रेनी ड्रोन हमला बताया।

माले में आग लगने की घटना पर भारतीय उच्चायोग अलर्ट, कहा– हम प्रभावित भारतीयों के संपर्क में हैं

मालदीव की राजधानी माले शहर में आग लगने की घटना पर दुख जताते हुए भारतीय उच्चायोग ने बचाव और राहत प्रयासों के लिए मालदीव के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि आग में किसी की जान नहीं गई या कोई गंभीर चोट नहीं आई और हम प्रभावित भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए उनके संपर्क में हैं। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने माइक्रोब्लागिंग साइट एक्स पर लिखे एक पोस्ट में कहा, भ्ब ने 9 सितंबर को माले शहर की एक इमारत में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दुख व्यक्त किया है। किसी की जान नहीं गई या कोई गंभीर चोट नहीं आई। हम बचाव और राहत प्रयासों के लिए मालदीव के अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। हम प्रभावित भारतीय नागरिकों को अपेक्षित सहायता प्रदान करने के लिए उनके संपर्क में हैं। बता दें कि मालदीव में भारतीय उच्चायोग का यह बयान माले में सोसुन मागु पर मौजूद एक कैफे की रसोई में आग लगने के बाद आया है। वहीं इस हादसे को लेकर पुलिस ने कहा है कि इलाके में सड़क पर मौजूद दो विदेशियों, एक पुरुष और एक महिला को धुएं से दम घुटने के कारण अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक जिस कैफे में आग लगी थी, वह पूरी तरह से स्टील शीट से बना था। आग तीन मंजिला गामागु कैफे की पहली मंजिल पर लगी थी, फिलहाल उस पर काबू पा लिया गया है। वहीं आग से बगल की इमारत भी प्रभावित हुई है। एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को आसपास के कई घरों को खाली करा दिया गया था। मामले में मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) के एक मीडिया अधिकारी ने कहा कि उन्हें सोमवार को दोपहर 2रू40 बजे (स्थानीय समय) हेनवेइरू वार्ड में धूहिमेरिज में आग लगने की रिपोर्ट मिली थी। धूहिमेरिज में कैफे इमारत के भूतल पर प्रवासियों की तरफ से चलाया जाता है जबकि शीर्ष दो मंजिलों का इस्तेमाल रहने के लिए किया जाता था।

भारतीय मूल के लेखक अमिताव घोष को ब्रिटिश अकादमी पुरस्कार, पाकिस्तान में इमरान समर्थक नेता गिरफ्तार

भारतीय मूल के लेखक अमिताव घोष को मंगलवार को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज फॉर ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग 2024 के लिए चुना गया है। घोष की श्स्मोक एंड एशेजरू ओपियम्स हिडन हिस्ट्रीजश पुरस्कार के लिए पांच अन्य अंतरराष्ट्रीय खिताबों के साथ दौड़ में है। कोलकाता में जन्मे और अमेरिका निवासी लेखक की न्यायाधीशों द्वारा श्इस अत्यधिक पठनीय यात्रा वृतांत, संस्मरण और इतिहास को जीवंत करने के लिए कहानी कहने के कौशलश के लिए सराहना की गई। श्स्मोक एंड एशेजरू ओपियम्स हिडन हिस्ट्रीजश में अमिताव घोष ने 18वीं सदी से लेकर वर्तमान अफीम संकट और वैश्विक अफीम व्यापार के आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव का पता लगाने के लिए अपने इबिस ट्रिलॉजी उपन्यासों के लिए दशकों के अभिलेखीय शोध का सहारा लिया है। इस वर्ष के जीबीपी 25000 पुरस्कार के विजेता की घोषणा 22 अक्तूबर को लंदन में एक पुरस्कार समारोह में की जाएगी, जिसमें प्रत्येक शॉर्टलिस्ट किए गए लेखक को जीबीपी 1000 प्राप्त होंगे। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शीर्ष नेताओं को इस्लामाबाद पुलिस ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के बाद संसद भवन के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। इनमें पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता बैरिस्टर गोहर अली खान, शेर अफजल खान मारवात और वकील शोएब शाहीन शामिल हैं।

चीन फिर कुछ बड़ा करने वाला है? अरुणाचल बॉर्डर से आई तस्वीर ने चौंकाया! केंद्रीय मंत्री का ये बयान आया

एक तरफ पाकिस्तान तो दूसरी तरफ चीन अपने दो पड़ोसी दुश्मनों से भारत हमेशा से परेशान रहा है। दोनों देशों को कई बार सबक सिखाने के बाद भी न तो इनकी अक्ल ठिकाने आई और न ही ये सुधरने का नाम लेते हैं। हिंद के जाबांजों से पिटा चीन फिर अपनी हदें लांघने की कोशिश कर रहा है? जिनपिंग की फौज क्या अरुणाचल में साजिश के बीज डाल रही है? एक तस्वीर के सामने आने के बाद ये तमाम सवाल उठ रहे हैं। नॉर्थ ईस्ट मीडिया के चीनी फौज की एक घुसपैठ की खबर ने सभी को परेशान किया है। भारतीय सेना के हाथों पिट चुकी पीएलए की बॉर्डर वाली साजिश के बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। अरुणाचल प्रदेश के कपापू इलाके में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए ने घुसपैठ की है। ईंटानगर से सामने आई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएलए अरुणाचल में भारतीय क्षेत्र में कम से कम 60 किलोमीटर अंदर तक घुस आया। घुसपैठ वाली जगह पर अलाव, स्प्रे पेंट की गई चट्टानें और चीनी खाने–पीने का सामान मिलने का दावा किया गया। साथ ही मीडिया रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि पीएलए की ये घुसपैठ करीब एक सप्ताह पहले हुई थी। अरुणाचल प्रदेश की मीडिया की तरफ से जारी की गई तस्वीर में एक चट्टान पर स्पे पेंट से साल 2024 के साथ साथ कुछ चिन्ह भी बने

नजर आ रहे हैं। हालांकि नार्थ ईस्ट मीडिया के इस दावे को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सिरे से खारिज कर दिया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा घुसपैठ का दावा करने वाली मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री किरेन निवासी ने कहा कि अनिर्धारित स्थानों पर केवल निशान बनाने का मतलब यह नहीं है कि उन क्षेत्रों में अतिक्रमण किया गया है। अरुणाचल प्रदेश के निवासी रिजिजू ने यह भी कहा कि भारत–चीन सीमा पर अनिर्धारित क्षेत्रों में भारतीय और चीनी सैनिक गश्त के लिए कई बार एक ही जगह पर पहुंच जाते हैं, लेकिन यह ऐसी चीज नहीं है कि भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण हो जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चीन हमारी जमीन नहीं ले सकता। अनिर्धारित क्षेत्रों में गश्त के लिए दोनों देशों के सैनिक कई बार एक ही जगह पहुंच जाते हैं। उन्हें कोई स्थायी निर्माण करने की अनुमति नहीं है। हमारी तरफ से कड़ी निगरानी है।

जाकिर नाइक भारत लौट आया, लेकिन कैसे? 50 लाख मुसलमानों को क्यों करना

वक्फ संशोधन बिल पर छिड़ी जंग में अब कट्टरपंथी जाकिर नाइक की एंट्री हो चुकी है। भगोड़ा जाकिर जहर उगल रहा है। वो देश के मुसलमानों को भड़का रहा है। कह रहा है कि वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ एकजुट हो जाओ। वो कह रहा है कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की हिफाजत करो। मुसलमानों की भावी पीढ़ियों के लिए लड़ने का आह्वान जाकिर नाइक की तरफ से किया जा रहा है। उसने कहा है कि कम से कम 50 लाख मुसलमान एक साथ आ जाए और वक्फ संशोधन बिल के रिजेक्शन पर क्लिक करें। उसने वक्फ बिल के खिलाफ स्कैन अभियान भी शुरू कर दिया है। उसने मुसलमानों से अपील की है कि वे उसके द्वारा दिए क्यूआर कोड को स्कैन करे। जितने लोग इस मुहिम में हिस्सा लेंगे उनका मत संयुक्त संसदीय कमेटी तक पहुंचाया जाएगा। जहरीले जाकिर नाइक का सोशल मीडिया पर ताजा पोस्ट

सामने आया है। जाकिर नाइक ने वक्फ बोर्ड के खिलाफ मुहिम की शुरुआत क्यों की है? दरअसल, वक्फ बिल के खिलाफ इन दिनों कई मुस्लिम संगठन मुहिम चला रहे हैं। जाकिर नाइक इस मुहिम को हाईजैक कर खुद को मुसलमानों का असली रहनुमा साबित करना चाहता है। जाकिर कह रहा है कि कम से कम पचास लाख मुसलमानों को इस बिल के खिलाफ उसके अभियान से जुड़ना चाहिए। लेकिन इसके पीछे हो सकता है कि उसका असली मंसूबा 50 लाख मुसलमानों को उसके जहरीले एजेंडे से जोड़ना हो। 200 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी और मुंबई, पुणे में 20 फ्लैट का मालिक जाकिर नाइक साल 2016 से ही फरार है। मलेशिया में रहकर जाकिर नाइक भारत के खिलाफ कट्टरपंथी एजेंडा चलाता है। नफरत फैलाने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के बीच 2016 में भारत से भाग गए थे। इस्लामिक उपदेशक को पिछली महाथिर मोहम्मद सरकार द्वारा मलेशिया में स्थायी निवास की अनुमति दी गई थी, जिससे भारत को काफी निराशा हुई थी। नाइक को कई बार अनवर इब्राहिम के साथ देखा गया है। ऐसे में अनवर इब्राहिम के इस दौरे पर जाकिर नाइक के वापसी की मांग उठने लगी है। भारत और मलयेशिया के संबंध खासे उतार–चढ़ाव भरे रहे हैं। जाकिर नाइक को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई। अब दोनों देशों की कोशिश है कि रिश्तों को वापस पटरी पर लाया जाए। जहां तक वक्फ बोर्ड बिल के विरोध का सवाल है तो असदद्दीन ओवैसी जैसे नेता पहले से अभियान चला रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली में बैठकर वक्फ बोर्ड पर कानून बनाएंगे। अब वक्फ को कोई एक्शन लेना है तो पीएम नरेंद्र मोदी से पूछना पड़ेगा। वहीं अगर जाकिर के क्यू आर कोड की बात करें तो इस तरह के अभियान देश में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले से चला रहा है। पिछले हफ्ते जुमे की नमाज के बाद लखनऊ में पर्सनल लॉ बोर्ड ने मस्जिद के बाहर क्यू आर कोड लगाया था। मकसद सिर्फ और सिर्फ वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुसलमानों को जागरुक और एकजुट करना था।

पुतिन ने पलट दी बाजी, रूस की तरफ से यूक्रेन पर भीषण हमले करने लगा नाटो!

925 दिनों के भीषण जंग के बाद अब रूस यूक्रेन के युद्ध में कुछ ऐसा होने लगा है कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और यूक्रेन हैरान रह गए हैं। यकीन करना मुश्किल है लेकिन नाटो के 32 देश में से एक ऐसा देश है जिसके लड़ाके पुतिन की तरफ

से यूक्रेन पर भयंकर हमले कर रहे हैं जब से यह खबर आई है तब से पूरा नाटो सदमे में चला गया है। रूस यूक्रेन जंग को लेकर बहुत बड़ा खुलासा नाटो देश ने किया है। पहली बार किसी नाटो देश ने माना है कि उसके देश के लड़के रस की तरफ से यूक्रेन पर हमला कर रहे हैं। इस खुलासे के बाद से नाटो की इमरजेंसी मीटिंग होने जा रही है। इधर पुतिन ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि रूस ही जंग का असली उस्ताद है। नाटो देश और अमेरिका कोई यह समझ नहीं आ रहा कि उसके लड़ाके पुतिन के वफादार कैसे हो गए। शुरू में कुछ वॉर एक्सपर्ट को शक था कि शायद नाटो देश तुर्की के लड़ाके रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमला कर रहे हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि यूक्रेन पर जिस नाटो देश के लोग हमले कर रहे हैं वो यूक्रेन के पड़ोसी मुल्क लिथुआनिया है। यानी यूक्रेन के रक्षक की उसके लिए भक्षक बन चुके हैं। अमेरिका और नाटो खुद को युद्ध का उस्ताद समझ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जलांस की खुद को युद्ध का चाणक्य समझ रहे थे। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड खुद को युद्ध का गेम चेंजर समझ रहे थे। लेकिन पुतिन ने लगभग तीन साल के जंग में ऐसी बाजी पलटी है कि चर्चा यह तेज हो चली है कि पुतिन का रूस यूक्रेन के कीव तक कब्जा करने जा रहा है। नाटो के लड़ाके रस की तरफ से लड़ रहे हैं इसका दवा लिथुआनिया की तरफ से किया गया है। लिथुआनिया के रक्षा मंत्री लॉरीनाम कमीयुनाम ने कहा कि इस वक्त लिथुआनिया के सैकड़ो लड़ाके रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमले कर रहे हैं। उनका दावा है कि उनके देश के नागरिक रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। लिथुआनिया के रक्षा मंत्री ने अपने देश के नागरिकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस की तरफ से लड़ने वाले लिथुआनियाई नागरिकों को सख्त सजा मिलेगी।

इमरान खान की पार्टी के नेताओं पर पुलिस ने क्यों अचानक बोल दिया धावा, PTI ने इसे अघोषित आपातकाल बताया

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेताओं को पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तान की पुलिस ने नेशनल असेंबली सत्र के बाद संसद भवन के बाहर शक्ति प्रदर्शन के दौरान पार्टी के नेताओं को सार्वजनिक सभा कानून का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई ने कहा कि छापेमारी में उसके कम से कम एक दर्जन नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता जवाद तकी ने कहा कि पीटीआई नेता गौहर अली खान, शेर शोएब शाहीन को इस्लामाबाद मारवत की गिरफ्तारी का जिक्र पर सीधा हमला बताया और कहा पर पूरी तरह से शर्मिंदा होना के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर हैं, पीटीआई नेताओं ने मंगलवार पर वह कई घंटों तक संपर्क में विवादास्पद संबोधन के बाद, मीडिया समुदाय ने निंदा की, कहा केपी हाउस में छिपा हुआ है।

अफजल खान मारवात और वकील पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। करते हुए पीटीआई ने इसे लोकतंत्र कि सत्तारूढ़ सरकार को इस कदम चाहिए। इस बीच, खैबर पख्तूनख्वा इस्लामाबाद से पेशावर पहुंच गए को कहा, छापे के बाद कथित तौर नहीं थे। रविवार की रैली में एक जिसकी पीएमएल–एन नेताओं और गया कि गंडापौर इस्लामाबाद के विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीमें बनाई थीं। उमर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह फासीवादी शासन और उसके समर्थक पूरी तरह से पागल हो गए हैं।

'अगर ट्रंप हार जाते हैं तो आखिरी वास्तविक चुनाव होगा', मस्क का अवैध प्रवासियों को लेकर डेमोक्रेट्स पर हमला

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक बार फिर अवैध प्रवासियों के मुद्दे को लेकर डेमोक्रेटिक पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि अगर डोनाल्ड ट्रंप हार जाते हैं तो आगामी राष्ट्रपति चुनाव संयुक्त राज्य अमेरिका में आखिरी वास्तविक चुनाव होगा। बता दें, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, डेमोक्रेट्स की ओर से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन की ओर से ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। अरबपति ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स 1.5 करोड़ अवैध प्रवासियों को वैध बनाना चाहते हैं और अधिक शरणार्थियों को लाना चाहते हैं, जो उन्हें स्विंग राज्यों को जीतने और अमेरिका को एक–पक्षीय राज्य में बदलने में मदद कर सकता है। मस्क ने सोशल

मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, श्डेमोक्रेटिक पार्टी के लगभग सभी नेताओं का एक ही लक्ष्य है 1.5 करोड़ अवैध प्रवासियों को जल्द से जल्द वैध बनाना। इसके साथ–साथ लाखों और लोगों को देश में लाना है। इससे स्विंग राज्य में उनके जीतने की संभावना अधिक हो जाएगी। ठीक उसी तरह जैसे कैलिफोर्निया में 1986 में हुआ था। अमेरिका को स्थायी एक–पक्षीय देश में बदल दिया था। उन्होंने आगे कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो यह आखिरी वास्तविक चुनाव है। गौरतलब है, अवैध आव्रजन संयुक्त राज्य अमेरिका में एक प्रमुख मुद्दा रहा है। इस पर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में आए दिन तनातनी बनी रहती है। इन सबके बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अवैध प्रवासियों को नागरिकता दिलाने के लिए रास्ता स्थापित करने की कसम खाई है। हैरिस की अभियान वेबसाइट पर लिखा हुआ है, श्वह जानती हैं कि हमारी आव्रजन प्रणाली खत्म सी है और इसमें व्यापक सुधार की आवश्यकता है, जिसमें मजबूत सीमा सुरक्षा और नागरिकता के लिए अर्जित मार्ग शामिल हो। वहीं दूसरी ओर, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वह अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निष्कासित करने के लिए एक बड़ी निर्वासन पहल करेंगे।

शहजादी शेखा माहरा ने सोशल मीडिया पर मचाई खलबली, पति से तलाक के बाद अब किया 'डायवोर्स' परफ्यूम लॉन्च

दुबई। यूएई के उपराष्ट्रपति और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी शहजादी शेखा माहरा एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने हाल ही में अपने पति शेख माना बिन मोहम्मद बिन राशिद बिन माना अल मकतूम को तलाक देकर सुर्खियां बंटोरी थीं। अब माहरा ने एक नए परफ्यूम को लॉन्च करके लोगों का ध्यान खींच लिया है। दरअसल, परफ्यूम का नाम श्डायवोर्सश रखा है। इसकी वजह से सोशल मीडिया पर जमकर इसकी बात हो रही है। दुबई की 30 वर्षीय राजकुमारी ने अपने ब्रांड माहरा एम 1 के तहत डायवोर्स नाम से परफ्यूम लॉन्च किया है। दुबई के शासक की बेटी ने इसकी जानकारी सोमवार को इंस्टाग्राम पर दी। उन्होंने प्रोडक्ट का एक टीजर साझा किया है। उनकी पोस्ट में एक काली रंग की सुंदर बोतल पर डायवोर्स लिखा हुआ दिखाया गया है। वहीं, टीजर में टूटे हुए कांच, काली पंखुड़ियों और एक काले पैंथर को दिखाया गया। टीजर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बता दें, शेखा माहरा ने जुलाई में अपने पति को सार्वजनिक रूप से तलाक दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसका एलान किया था। माहरा ने लिखा था, श्प्रिय पति, चूंकि आप किसी और के साथ हैं, इसलिए मैं अपने तलाक का एलान करती हूं। मैं आपको तलाक देती हूं, मैं आपको तलाक देती हूं और मैं आपको तलाक देती हूं अपना ख्याल रखें। आपकी पूर्व पत्नी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।